दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 298/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 11 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

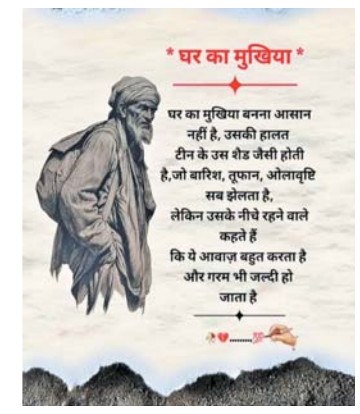

दुनिया को दिया भारत का ये संदेश

ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई के बाद भारत सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया के बड़े देशों का दौरा किया। इनमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देश भी शामिल थे। इस दौरे का उद्देश्य है, भारत की आतंकवाद के खिलाफ मजबूत नीति और राष्ट्रीय एकता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना था।

इस प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को दुनिया तक पहुंचाया। इन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व कई प्रमुख सांसदों ने किया, जिनमें - कांग्रेस के शशि थरूर, भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, जद (यू) के संजय कुमार झा, डीएमके की कनिमोझी करुणानिधि, एनसीपी की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिंदे शामिल थे।

विदेश से लौटे सांसदों से पीएम मोदी ने की मुलाकात, ऑल पार्टी डेलिगेशन ने दुनिया में खोली पाकिस्तान के आतंक की पोल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार शाम अपने आवास पर उन सांसद प्रतिनिधियों से मुलाकात किया, जो %ऑपरेशन सिंदूर% के तहत विदेशों में भारत का संदेश लेकर गए थे। प्रधानमंत्री इस बैठक में विदेश से लौटे 7 प्रमुख सांसदों के प्रतिनिधियों के अनुभव और फीडबैक लिया।

इसके अलावा, पीएम मोदी सभी सांसदों के लिए डिनर की मेजबानी भी की। 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुई इस बैठक में डीएमके की कनिमोझी, भाजपा के रविशंकर प्रसाद, रेखा शर्मा और फंगनन कोन्याक, बीजेडी के सस्मित पात्रा और एआईएडीएमके के एम. थंबीदुरई समेत कई सांसद शामिल हुए।

सांध्यप्रकाश विशेष

जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारी शुरू, आज कराया जाएगा भगवान जगन्नाथ को स्नान, जानें कब से शुरू होगी यात्रा

पुरी। ओडिशा की पुरी धाम में जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारी पूरे जोरों-शोरों से चल रही है। पंचांग के अनुसार, हर साल भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को निकाली जाती है।

वहीं आज यानी जेष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि के दिन भगवान जगन्नाथ को स्नान कराया जाएगा। इसके बाद से भगवान जगन्नाथ 15 दिनों के लिए बीमार होने के बाद एकांतवास में चले जाते हैं। इस अवधि में भक्तगण भगवान के दर्शन नहीं कर सकते हैं, इसके बाद जब प्रभु ठीक होते हैं तब जगन्नाथ यात्रा शुरू होती है।

108 घड़ों के पानी से होगा प्रभु का स्नान- आज भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र की मूर्तियों को गर्भगृह से मंडप में लाया जाएगा फिर 108 घड़ों के पानी से स्नान कराया जाएगा. इसमें परंपरा के अनुसार प्रभु जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र को जल से स्नान कराया जाएगा।

खास बात ये है कि इस पानी में कई तरह की औषधियां मिलाई जाती है। सुगंधित फूल, चंदन, केसर,कस्तूरी को पानी में मिलाया जाता है। इस पवित्र स्नान के बाद भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन को बुखार हो जाता है।

कब शुरू होगी जगन्नाथ यात्रा- इस साल प्रभु जगन्नाथ यात्रा की शुरुआत शुक्रवार, 27 जून 2025 को शुरु होगी। इस तिथि पर भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर तक यात्रा करते हैं। इस दौरान लाखों भक्त इस रथ यात्रा में शामिल होने के लिए आते हैं। इस यात्रा का समापन शनिवार, 5 जुलाई को होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने से पहले मंत्रियों को गुजरना होगा इस टेस्ट से

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच केंद्र सरकार ने सतर्कता कड़ी कर दी है। सूत्रों की मानें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले मंत्रियों और अन्य लोगों के लिए RT-PCR टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि, सरकार ने इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यह कदम तब उठाया गया है, जब कई राज्यों में कोविड-19 के सक्रिय मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के 11 जून 2025 के ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 के सक्रिय मामले 7,121 हो गए हैं। सबसे अधिक मामले केरल में 2,223, गुजरात में 1,223 और दिल्ली में 757 दर्ज किए गए हैं। अन्य राज्यों की स्थिति इस प्रकार है-पश्चिम बंगाल (747), महाराष्ट्र (615), कर्नाटक (459), उत्तर प्रदेश (229), तमिलनाडु (204), राजस्थान (138), हरियाणा (125), आंध्र प्रदेश (72), मध्य प्रदेश (65), छत्तीसगढ़ (48), बिहार (47), ओडिशा (41), पंजाब (33), सिक्किम (33), झारखंड (10), पुडुचैरी (10), तेलंगाना (11), जम्मू और कश्मीर (9), असम (6), गोवा (6), उत्तराखंड (3), चंडीगढ़ (3), हिमाचल प्रदेश (2), मणिपुर (1), और त्रिपुरा (1)।

2012 बैच के IAS अधिकारी पवन कुमार मालापति 4 साल के लिए रक्षा मंत्रालय में उप सचिव नियुक्त

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2012 बैच के ह्रस्र अधिकारी पवन कुमार मालापति को चार साल के लिए दिल्ली स्थित रक्षा मंत्रालय में उप सचिव नियुक्त किया गया है ।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने पदभार ग्रहण करने की तिथि से चार वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, केंद्रीय स्टाफिंग योजना के तहत श्री मालापति की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

मप्र के हर संभाग में खुलेंगे वाइल्डलाइफ रेस्क्यू सेंटर

वन्य प्राणियों की होगी देखरेख; अंबानी ग्रुप का वनतारा देखने पहुंचे सीएम डॉ मोहन यादव

भोपाल। प्रदेश में संभागीय स्तर पर वन्य प्राणियों के उपचार और देखरेख के लिए रेस्क्यू सेंटर खोले जाने की तैयारी के बीच मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज गुजरात के जामनगर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने अंबानी ग्रुप का वनतारा वन्य जीव केंद्र देखा।

सीएम ने बताया कि देश के सर्वश्रेष्ठ वन्य प्राणी रेस्क्यू सेंटर गुजरात के जामनगर में है, जिसका अध्ययन एमपी के वन अफसरों की टीम ने किया है। ऐसे में आज वे खुद भी इसकी जानकारी लेने के लिए जामनगर आए हैं। यहां वन्यजीवों की सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी लेकर राज्य सरकार इसके लिए काम करेगी।

जामनगर पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा, देश में वन क्षेत्र अन्य राज्यों की अपेक्षा ज्यादा है। टाइगर, तेंदुए, गिद्ध देश में सबसे ज्यादा एमपी में हैं। अब तो किंग कोबरा भी आ गया है। इन सबको सुरक्षित रखने के लिए रेस्क्यू सेंटर की जरूरत है। चीते भी हैं,

जिनका ध्यान रखना होता है।

रेस्क्यू सेंटर संभाग स्तर पर होना चाहिए। अभी सिर्फ भोपाल में वन विहार में रेस्क्यू सेंटर हैं। प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है तो जू भी बढ़ना चाहिए। पिछले बजट में दो जू की घोषणा की गई थी और इस मामले में कुछ नए फैसले पर गंभीरता से विचार कर रहे है। वन्य प्राणियों की जागरूकता के साथ उनकी देख रेख पर भी सरकार फोकस कर रही है।

जल्दी ही वन्य जीवों के हित में बड़े फैसले करेंगे

सीएम यादव ने कहा कि वन्य प्राणियों के लिए देश का सर्वश्रेष्ठ रेस्क्यू सेंटर गुजरात में है, जिसे आज देखने जा रहा हूं। पहले वन विभाग की टीम यहां विजिट कर चुकी है। एमपी में इसके आधार पर क्या विकास हो सकता है? इस पर ध्यान दे रहे हैं।

वन्य जीवों से संबंधित वन चिकित्सक भी काम करें। इसके लिए विश्वविद्यालयों में वेटरनरी हास्पिटल और वेटरनरी कोर्स शुरू करने के लिए काम करने जा रहे हैं। इसको लेकर कुछ नए फैसले भी करने वाले हैं। वन्य प्राणियों से निकटता बढ़ाये और वन्य प्राणी के घायल दिखने पर उसे सुरक्षित कराने के लिए वन अफसरों को जिला प्रशासन को जानकारी दें।

वन्य जीवों की आबोहवा न बदले, इस पर फोकस

सीएम यादव ने कहा कि एमपी में सभी प्रकार के वन्य जीव मौजूद हैं। मगर, घड़ियाल भी काफी संख्या में हैं। कूनो के बाद चीते गांधी सागर में छोड़ने के लिए पार्क डेवलप किया जा रहा है। इनकी सुरक्षा के लिए रेस्क्यू सेंटर की जरूरत है। वन्य जीवों की आबोहवा में बदलाव की स्थिति न बने। इसलिए रेस्क्यू सेंटर आस-पास के इलाकों में बनाने पर फोकस किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता पर बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई

लक्ष्मण सिंह पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजनीति से एक बड़ी खबर सामने आई है। अपने बयानों को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाले कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के भाई और वरिष्ठ कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह को पार्टी से बाहर कर दिया गया है। कांग्रेस ने उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में 6 वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक, लक्ष्मण सिंह ने राहुल गांधी सहित पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं के खिलाफ बयानबाजी की थी, जिससे वे लगातार विवादों में घिरते जा रहे थे। जानकारी के अनुसार कांग्रेस के डिसिप्लिनरी कमेटी के अध्यक्ष तारिक अनवर ने लक्ष्मण सिंह को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित करने की सिफारिश की थी। तारिक अनवर का कहना है कि लक्ष्मण सिंह लगातार पार्टी के विरुद्ध जा रहे है, वे अनुसशासनहीनता कर रहे है। उनके द्वारा कई बार पार्टी के खिलाफ बयानबाजी की गई है। उन्होंने बीते दिनों पार्टी के नेता राहुल गांधी के खिलाफ भी बयान बाजी की थी।

राहुल गांधी को हिदायत देनी पड़ी भारी

कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा पर निशाना साधते हुए लक्ष्मण सिंह ने कहा था कि रॉबर्ट वाड्रा जीजा जी, राहुल जी काज्उसने क्या कहा मुसलमानों को सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने देते इसलिए आतंकवादियों ने हमला किया। ये बचपना हमलोग कब तक झेलेंगे। राहुल गांधी सोच समझकर बात करें, वो नेता प्रतिपक्ष हैं।

पहले भी दिए कई बयान

पिछले साल लोकसभा चुनाव में हार के बाद भी लक्ष्मण सिंह चर्चाओं में थे। 10 जून को ही लक्ष्मण सिंह ने पार्टी की हार पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को घेरा था। जब पटवारी ने दिल्ली में हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक का फोटो ट्वीट कर नेताओं के नाम सहित लिखा था कि विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस पर लक्ष्मण सिंह ने लिखाकि तुम अध्यक्ष हो, अपने पैरों पर कब खड़े होंगे या 'मार्ग दर्शन' ही लेते रहोगे। जिनको अपने मार्ग का पता नहीं, वो तुम्हें क्या मार्ग दर्शन देंगे?

प्रदेश में फिर पुलिस पर हमला

झगड़ा सुलझाने गए थे, गांव के लोगों ने बंधक बनाकर जबरन शराब पिलाई

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह जिले के मगरोन थाना अंतर्गत ग्राम पैरवारा में मंगलवार की देर रात जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए टकराव हो गया। डायल 100 को मिली सूचना पर आरक्षक और डायल हंड्रेड के पायलट के पहुंचने पर ग्रामीणों ने जहां उन्हें बंधक बनाकर उनके साथ काफी मारपीट की। इसके बाद जबरदस्ती शराब पिलाकर ट्रैक्टर में आग लगाने के बाद उन्हें जिंदा जलाने की कोशिश की। काफी प्रयासों के बाद आरक्षक और पायलट अपनी जान बचाकर भाग सके। इस घटना के संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा ने बताया कि मंगलवार की देर रात को जिले के मगरोन थाना अंतर्गत सुनवाहा गांव में दो पक्षों के बीच जमीन के कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था।

राजा रघुवंशी हत्याकांड

शिलांग कोर्ट में होगी सोनम समेत चारों आरोपियों की पेशी

इंदौर/शिलांग एजेंसी। इंदौर से हनीमून मनाने शिलांग गए राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी सोनम रघुवंशी, प्रेमी राज कुशवाहा, विशाल चौहान, आकाश राजपूत को भी गिरफ्तार किया गया और ट्रांजिट रिमांड पर भेजा गया था। अब पुलिस टीम गाजीपुर से सोनम रघुवंशी को लेकर शिलांग आ गई है। टीम सोनम को लेकर देर रात डेढ़ बजे गणेश अस्पताल में मेडिकल जांच के पहुंची। देर रात करीब तीन बजे सोनम का मेडिकल कराया गया। करीब चार बजे सुबह उसे वापस सदर अस्पताल थाना लाया गया था। जानकारी के मुताबिक अब सोनम और सभी अन्य सभी चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा, जिसमें पुलिस उनकी रिमांड की मांग करेगी। इन सभी आरोपियों का भी पहले शिलांग में मेडिकल टेस्ट कराया जाएगा। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा।

शिलांग जिला अदालत के बाहर कड़ी सुरक्षा: शिलांग में जिला अदालत के बाहर कड़ी सुरक्षा कर दी गई. सोनम को यहां लाया

जाएगा, उसके बाद चार अन्य को भी लाया जाएगा.

सदर पुलिस स्टेशन पहुंची एसआईटी: राजा रघुवंशी हत्या मामले में जांच करने के लिए और सोनम रघुवंशी समेत चारों आरोपियों से पूछताछ करने के लिए एसआईटी की टीम शिलांग सदर पुलिस स्टेशन पहुंची है।

यूपीआई से 3000 रुपए से अधिक पेमेंट पर देना पड़ सकता है चार्ज, बड़े बदलाव की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (ह्वश्च्ढ्ढ) में बड़े बदलाव की तैयारी में है। मामले से जानकार सूत्रों की माने तो 3000 रुपए से अधिक की यूपीआई पर अब मर्चेंट डिस्काउंट रेट (रूष्ठक्र) फिर से लगाया जा सकता है। हालांकि, इसके बावजूद भी छोटे ट्रांजैक्शन- 3000 रुपए तक पर कोई चार्ज नहीं लगेगा। जनवरी 2020 से चली आ रही 'जीरो एमडीआर' पॉलिसी यानी मर्चेंट्स पर जीरो फीस के नियम को बंद करने का फैसला लिया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंकों और पेमेंट कंपनियों की समस्या अधिक हैं। यूपीआई के पास अब 80 प्रतिशत रिटेल डिजिटल ट्रांजैक्शन की हिस्सेदारी है। बड़े ट्रांजैक्शन, खासकर मर्चेंट पेमेंट्स की बढ़ती संख्या से बैंकों का ऑपरेशनल कॉस्ट में इजाफा हुआ है। जीरो एमडीआर पॉलिसी के कारण उन्हें इंवेस्टमेंट का कोई प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2020 के बाद यूपीआई पर मर्चेंट पेमेंट्स का कुल ट्रांजैक्शन 60 लाख करोड़ रुपए पहुंच चुका है। इतने बड़े लेवल पर फ्री सेवा देना अब टिकाऊ नहीं रहा।

क्या है नया नियम

पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया ने सुझाव दिया है कि बड़े मर्चेंट्स (जिनका टर्नओवर ज्यादा है) से 0.3 प्रतिशत का एमडीआर वसूला जाए। बता दें कि फिलहाल क्रेडिट/डेबिट कार्ड्स पर एमडीआर 0.9 प्रतिशत से 2 प्रतिशत है (इसमें रुपे कार्ड्स शामिल नहीं है) अभी रुपे क्रेडिट कार्ड्स इस चार्ज से बचे रहेंगे। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों और वित्तीय सेवा विभागों की एक उच्चस्तरीय बैठक हुई थी। जिसमें यूपीआई के भविष्य को लेकर चर्चा की गई और एमडीआर फ्रेमवर्क पर आखिरी फैसला लेने पर भी चर्चा हुई।

डिजिटल पेमेंट्स इकोसिस्टम को मजबूत बनाना सरकार का लक्ष्य

अब अगले 12 महीने में बैंकों, फिनटेक कंपनियों और नेशनल पेमेंट्स, कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया से सलाह के बाद फैसला आएगा। सरकार की मंशा साफ है कि यूपीआई को सिर्फ बढ़ावा देना ही नहीं, बल्कि डिजिटल पेमेंट्स के इकोसिस्टम को लंबे समय के लिए टिकाऊ और मजबूत बनाना है। फ्री यूपीआई के कारण भारत डिजिटल पेमेंट्स में दुनिया का नंबर-1 देश बना, लेकिन अब बैंकों और पेमेंट प्रोवाइडर्स को नुकसान से बचाने का समय है। बड़े ट्रांजैक्शन पर छोटी चार्ज लगाकार इंफ्रस्ट्रक्चर और नई टेक्नोलॉजी में खर्च सुनिश्चित होगा।

सीआईएसएफ का श्रीअन्नअभियान: बल सदस्यों के भोजन में श्रीअन्न की खपत 30 प्रतिशत से अधिक हुई

भोपाल। केऔसुब इकाई भेल भोपाल के वरिष्ठ कमांडेंट श्री शिवरत्तन सिंह ने बताया कि 5 जून 2025 सीएपीएफ में बल सदस्यों के स्वस्थ जीवनशैली के लिए गृह मंत्रालय के श्री अन्न मिशन की दिशा में एक अनुकरणीय पहल करते हुए, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने देश भर में तैनात अपनी 434 इकाइयों और फोर्मेशन्स में श्री अन्न के उपभोग के लक्ष्यों को पूरा कर लिया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि इन पारंपरिक पौष्टिक अनाजों को न केवल अपने कर्मियों और उनके परिवारों के बीच बल्कि व्यापक नागरिकों के बीच भी बढ़ावा देने की गृह मंत्रालय की पहल के प्रति सीआईएसएफ की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस उपलब्धि की यात्रा संयुक्त राष्ट महासभा द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्टीय श्री अन्न वर्ष घोषित करने के साथ शुरू हुई, जो भारत के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। इसके बाद, गृह मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के दैनिक आहार में श्री अन्न को शामिल करने का आदेश दिनांक 04.05.2023 को दिया, जिसमें 2024-25 के लिए जवानों के दैनिक आहार में 30त्न श्री अन्न का विशिष्ट लक्ष्य रखा गया।

सीआईएसएफ की सफलता का श्रेय सभी इकाइयों को कवर करने वाले बहुआयामी दृष्टिकोण को जाता है। दैनिक रोल कॉल, ब्रीफिंग, सैनिक सम्मेलन और अन्य बैठकों के माध्यम से, जवानों को श्री अन्न के लाभों के बारे में लगातार शिक्षित किया गया। कल्याणकारी गतिविधियों में परिवार के सदस्यों को सक्रिय रूप से शामिल किया जाता है, जिससे उन्हें अपने घर के आहार में श्री अन्न को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अब सरकारी आयोजनों में भी श्री अन्न आधारित व्यंजन स्वीकृत व लोकप्रिय हो चुके हैं।

श्रीअन्नसारथी - स्वाद और संस्कृति का संगम

सीआईएसएफ द्वारा लॉन्च की गई यह विशेष पुस्तिका श्री अन्न सारथी व्यंजनों का संग्रह है। इस पुस्तिका में समूचे भारत के विभिन्न श्री अन्न व्यंजनों की जानकारी दी गई है, बलों के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है, रसोइयों से फीडबैक शामिल किया गया है, और यहां तक कि श्री अन्न अपनाने वाले बल के सदस्यों के बीच स्वास्थ्य सुधार की प्रेरक कहानियां भी साझा की गई हैं। सीआईएसएफ वेबसाइट पर एक डिजिटल संस्करण आसानी से उपलब्ध है, जो व्यापक पहुंच सुनिश्चित करता है।

प्रशिक्षण और जुड़ावः सीआईएसएफ के 100 प्रतिशत रसोइयों को स्वादिष्ट श्री अन्न व्यंजन तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया है। बल ने ज्ञान प्रदान करने और गलत धारणाओं को दूर करने के लिए आहार विशेषज्ञों और डॉक्टरों द्वारा 662 व्याख्यानों के साथ-साथ 1,110 सेमिनार, वेबिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया है।

श्री अन्न मेला,स्वास्थ्य से जुड़ी स्वाद यात्रा

सीआईएसएफ इकाइयों ने 335 से अधिक सफल प्रदर्शनियों श्री अन्न मेला का आयोजन किया है, जो जनता और सीआईएसएफ परिवारों को यह व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान करते हैं कि श्री अन्न को अपने आहार में शामिल करना कितना आसान है। इन मेलों ने लोगों को श्री अन्न आधारित विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लेने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया, जिससे किसी भी संदेह को प्रभावी ढंग से दूर किया जा सका और व्यापक रूप से अपनाने को प्रोत्साहित किया जा सका।

उपलब्धता सुनिश्चित करना: उपभोग को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए, अब केन्द्रीय पुलिस कल्याण भंडार (केंद्रीय पुलिस कल्याण स्टोर) दुकानों में श्री अन्न उत्पाद आसानी से उपलब्ध हैं। श्री अन्न, जिसे अक्सर प्रथम फसल और भविष्य की फसल के रूप में जाना जाता है, पोषण संबंधी पावरहाउस है। इन जलवायु-स्मार्ट अनाजों को न्यूनतम पानी, उर्वरक या कीटनाशकों की आवश्यकता होती है और ये सूखे और कीटों के प्रति अविश्वसनीय रूप से लचीले होते हैं। जबकि असंगत आपूर्ति श्रृंखलाओं और सीमित सार्वजनिक जागरूकता जैसी चुनौतियों ने ऐतिहासिक रूप से श्री अन्न अपनाने में बाधा डाली है, सीआईएसएफ के असाधारण प्रयास सक्रिय रूप से इन बाधाओं को तोड़ रहे हैं। उदाहरण के माध्यम से नेतृत्व करके और अपने कर्मियों और उनके परिवारों को ज्ञान और स्वादिष्ट विकल्पों के साथ सशक्त बनाकर, सीआईएसएफ - किसानों, उपभोक्ताओं और जलवायु के लाभ के लिए श्री अन्न को बढ़ावा देने के भारत सरकार के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह सफलता की कहानी इस बात का एक सजीव प्रमाण है कि कैसे निरंतर प्रयास और अभिनव रणनीतियाँ पूरे देश में स्वास्थ्य और स्थिरता के लिए सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

17 साल पुराने प्राचीन छोला दशहरा मैदान पर हो रहे अवैध कब्जे के विरोध

अधीक्षक यंत्री मालवीय पर लगाया भाजपा एजेंट के रूप में कार्य करने का आरोप

भोपाल। लगभग 117 वर्षों से हिन्दू धर्म की आस्था का प्रतीक व हिन्दू धार्मिक त्योहार दशहरा छोला स्थित दशेहरा मैदान पर ही मनाये जाते रहे हैं! छोला दशेहरा मैदान हिन्दू धार्मिक त्योहारों की एक ऐतिहासिक पहचान है! इस पहचान को गुपचुप तरीके से विकास का नाम देकर कब्जा कर के पक्की दुकानों का निर्माण भी किया जा रहा है! इसके विरोध में कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला अपने साथियों सहित आज आयुक्त नगर निगम कार्यालय पहुंचकर आयुक्त नगर निगम से मिलकर चर्चा की, शुक्ला ने कहा की इसका क्षेत्रफल 9 एकड़ 95 डेसिमल है। इसका लैंड यूज रिकेशनल (मनोरंजन) है। भाजपा सरकार के प्रभावशाली लोगों द्वारा इस पर बिना पीडब्ल्यूडी टेंडर के बाउंड्री वॉल तोड़कर 80 फीट चैड़ी सड़क चारों तरफ बनवा दी गई है और साथ ही मैदान परिसर में अवैध 14 दुकानें भी बनवाई जा रही हैं। इस संदर्भ में, कुछ दिनों पूर्व स्थानीय लोगों के साथ कलेक्टर भोपाल से मिलकर चर्चा की जिससे कलेक्टर भोपाल ने संज्ञान में लेते हुए वहाँ चल रहे कार्य को तुरंत रुकवाया परंतु वहाँ आज भी गुपचुप तरीके से कार्य को किया जा रहा है। शुक्ला ने आरोप लगाया की अधीक्षक यंत्री प्रमोद मालवीय द्वारा भाजपा के एजेंट के रूप में कार्य को गुपचुप रूप से किया जा रहा है। चूँकि यह ऐतिहासिक छोला दशेहरा मैदान हिन्दू धर्म की प्राचीन धरोहर है व ऐसी धरोहरों का संरक्षण करना शाशन प्रशासन का कर्तव्य है! आपसे अनुरोध है की इस प्राचीन धरोहर की पहचान को खत्म करने वालों को चिन्हित कर प्राचीन परंपरा को संरक्षण देकर शहर की हिन्दू संस्कृति की पहचान को बचाने की कृपा करें! आज भी इस मैदान पर अवैध निर्माण व अतिक्रमण बिना किसी डर के किया जा रहा है! आपसे निवेदन है की इस अवैध निर्माण व अतिक्रमण को हटाकर प्राचीन छोला दशहरा मैदान को पुराने स्वरुप में करने का तत्काल आदेश दें। इस अवसर पर महेश मेहरा, पूर्व पार्षद आशाराम शर्मा, सुरेश साहू, उल्लास सोनकर, मुकेश पंथी, विजेंद्र शुक्ला, अमित खत्री, दीपक दीवान, प्रिंस नवाँगे, संदीप सरवैया, दर्शन कोरी, आदि मौजूद थे!

भोपाल। ज्येष्ठ मास की बट सावित्री व्रत पूर्णिमा आखिरी बड़े मंगलवार के उपलक्ष्य में शीतला माता जनकल्याण भक्त मंडल द्वारा भव्य सुंदरकांड पाठ, विशाल भंडारा और मोगरा एवं 151 किलो केले का महाभोग आलौकिक श्रृंगार कर सुन्दरकाण्ड पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया कार्यक्रम के अध्यक्ष पं. श्री हरि जोशी द्वारा बताया गया की हर वर्ष ज्येष्ठ मास के बड़े मंगलवार को शीतला माता मंदिर शॉपिंग सेंटर टीला जमालपुरा भोपाल पर कार्यक्रम आयोजित किया।

कोलार रोड पर खुल गया प्राइड ऑफ़ कश्मीर

कश्मीरी व्यंजन का लुफ्त उठा सकेंगे भोपालवासी

भोपाल। भोपालवासियों के लिए खुशखबरी है कि वे बिना कश्मीर जाए भोपाल में ही कश्मीरी व्यंजनों का लुफ्त कश्मीरी मसालों के साथ उठा सकेंगे। राजधानी के कोलार मार्ग स्थित मंदाकिनी रोड पर प्राइड ऑफ़ कश्मीर रेस्टोरेंट का हाल में शुभारंभ हुआ है, जहां विभिन्न प्रकार की कश्मीरी डिश उपलब्ध रहेंगी। यहां उपलब्ध कश्मीरी भोजन, पंजाबी और नॉर्थ इंडियन डिश की खासियत है कि यह सभी कश्मीरी मसाले से तैयार होंगे। इनमें वेज और नॉनवेज दोनों डिश को शामिल किया गया है। इसके लिए वेज और नॉनवेज किचन अलग-अलग बनाए गए हैं। जिनके बनाने वाले भी अलग-अलग होंगे। बेहद आकर्षक और साज सज्जा के साथ शुरू हुआ प्राइड ऑफ़ कश्मीर रिसॉर्ट एंड क्यूसिन क्रिएट्स रेस्टोरेंट में प्रवेश करते ही करते ही कश्मीरी वातावरण का अनुभव कराता है। भूतल पर और संगीत के साथ बैठने की व्यवस्था है। वहीं प्रथम तल पर डल लेक की तरह शिकारा भी मौजूद है। शिकारा में 7 से 8 लोग बैठकर भोजन कर सकेंगे। उनके लिए ड्रेसिंग रूम भी है। जहां कश्मीरी परिधान भी पहनकर फोटो भी खींच सकेंगे।

राम प्रसाद बिस्मिल जयंती

मिट जाए जब मिटने वाला फिर सलाम आए तो क्या?

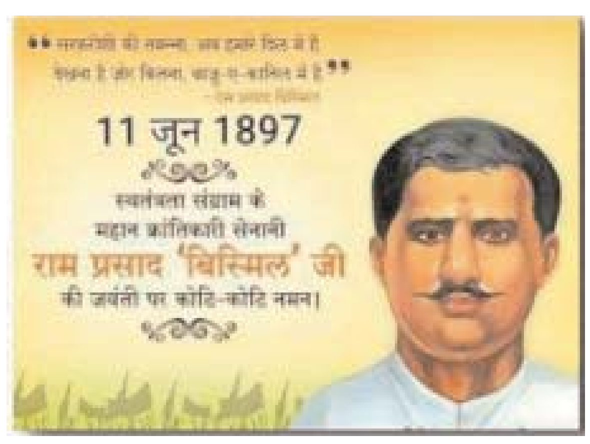

30 वर्ष की छोटी सी उम्र में देश की आजादी के लिए फांसी चढ़ गए अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल की आज जयंती है. उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में 11 जून 1897 में जन्मे राम प्रसाद 'बिस्मिल' को 19 दिसम्बर 1927 को फांसी दे दी गई थी. मैनपुरी व काकोरी काण्ड जैसी कई घटनाओं के प्रमुख किरदार राम प्रसाद 'बिस्मिल' स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांति की धारा के प्रमुख अंग थे तो दूसरी तरफ कवि, शायर, अनुवादक, बहुभाषाभाषी व इतिहासकार के रूप में उनका परिचय गहरा और विराट है. बिस्मिल उनका उर्दू तखल्लुस (उपनाम) था मगर वे 'राम' और 'अज्ञात' के नाम से भी लेख व कवितायें लिखते थे. वे 'बिस्मिल' थे. जिसका हिन्दी में अर्थ होता है आहत या जख्मी. जिसे आमतौर प्रेमी का पर्याय माना जाता है. बिस्मिल यानि आजादी के प्रेमी. बिस्मिल की एक चर्चित और अंतिम रचना सिर्फ इसलिए जेल के बाहर जा सकी थी कि जज ने उसे प्रेमी का ख्याल समझा, जबकि वह तो अमर क्रांतिकारी का अपने साथियों को उलाहना था.

श्री राम प्रसाद बिस्मिल जी को सादर नमन
राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

भोपाल। पुरानी विधानसभा के सामने कबीर स्तंभ पर संत कबीर साहिब की 628 वी जयंती के अवसर पर सर्वकोरी कोली समाज एवं अखिल भारतीयकोरी कोली समाज के लोगों के साथ मुख्य अतिथि भोपाल महापौर मालती राय, क्षेत्रीय पार्षद पप्पू विलास सहित समाज के वरिष्ठ जनों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन वेस्ट जोन की ज़ोनल टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

भोपाल। राष्टीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत वेस्ट जोन की ज़ोनल टास्क फोर्स बैठक का शुभारंभ भोपाल स्थित होटल पलाश में हुआ। यह वार्षिक बैठक हर वर्ष सदस्य राज्यों द्वारा बारी-बारी से आयोजित की जाती है। इस वर्ष यह महत्त्वपूर्ण बैठक मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित की जा रही है। बैठक में मध्यप्रदेश, महाराष्ट, गोवा, गुजरात, दमन एवं दीव, तथा दादरा एवं नगर हवेली राज्यों के नेशनल टास्क फोर्स और ज़ोनल टास्क फोर्स के वरिष्ठ पदाधिकारीगण भाग ले रहे हैं। मध्यप्रदेश के विभिन्न प्रमुख मेडिकल कॉलेजों से क्षय रोग विशेषज्ञ भी बैठक में सम्मिलित हुए हैं। बैठक का उद्घाटन राष्टीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना, नेशनल टास्क फोर्स के चेयरपर्सन डॉ. अशोक भारद्वाज, ज़ोनल टास्क फोर्स के चेयरपर्सन डॉ. भावेश मोदी, तथा मध्यप्रदेश की राज्य क्षय अधिकारी डॉ. स्मृति सिंह द्वारा किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन, विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधि तथा अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान राष्टीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मेडिकल कॉलेजों के योगदान की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, उपस्थित विशेषज्ञों एवं अधिकारियों को तकनीकी मार्गदर्शन देने के अलावा उन्हें उन्नत कार्य प्रणालियों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। बैठक क्षय रोग उन्मूलन के लिये मेडिकल शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में अब भर्ती होने की सुविधा रहेगी

जोड़ों में दर्द, मोटापा एवं पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम उपचार के लिए विशेषज्ञ सुविधा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, आयुष परिसर मैनिट हिल्स भोपाल में स्थित ÷होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र÷ में महिलाओं में होने वाले मोटापे रोग का विशेष उपचार उपलब्ध है। होम्योपैथी वैलनेस सेंटर के लाभार्थियों को अब भर्ती होने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही जोड़ों में दर्द, मोटापा एवं पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम के उपचार के लिए विशेषज्ञ उपलब्ध रहेंगे। स्वास्थ्य कल्याण केंद्र इकाई केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर स्थापित की गई है।

होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. जूही गुप्ता ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं में हार्मोन्स के बदलाव के कारण जीवन के विभिन्न पड़ावों में मोटापे की समस्या, व्यापक एवं उग्र रूप धारण कर रही है। विशेषत~ कामकाजी महिलाओं में यह समस्या नित नए रूप लेती जा रही है और साथ में जोड़ों में दर्द, कार्य करने की अनिच्छा, घबराहट जैसे कई अन्य लक्षण भी उत्पन्न कर रही है। भविष्य में यह समस्या शरीर में गंभीर असंतुलन और बड़ी बीमारियों को जन्म देने का कारक बनती है।

केंद्रीय मंत्रालय के निर्देशानुसार होम्योपैथी विधा एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से मोटापे की समस्या के संपूर्ण निदान के लिए उक्त स्वास्थ्य केंद्र में उपचार की विशेषज्ञ सुविधा उपलब्ध है। दवाओं के अतिरिक्त दिनचर्या, आहार, प्रत्याहार मालिश, हाइड्रोथेरेपी, वाष्प स्नान के माध्यम से उक्त विशेष उपचार कार्यक्रम को स्वरूप दिया गया है। उपचार की अवधि व्यक्ति विशेष की आवश्यकताओं एवं शारीरिक स्थिति के अनुसार निर्धारित की जाती है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति की दवा एवं थेरेपी विशेष रूप से स्क्रिप्ट की जाएगी एवं योग के माध्यम से इन परिणामों को और प्रभावी बनाया जाएगा। वर्तमान में होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक समस्त सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध हैं। मोटापे के विशेष उपचार के लिए प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशेषज्ञ डॉ. प्रिया कुलदीप एवं दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक विशेषज्ञ डॉ. ज्योति जाट की सेवाएं उपलब्ध रहेगी। विशेष उपचार कार्यक्रम का लाभ उठाने के लिए मोबाइल क्रमांक 9202663862 पर संपर्क किया जा सकता है। ÷प्रथम आओ-प्रथम पाओ÷ के आधार पर उपचार के लिए प्रतिदिन अधिकतम 12 अपॉइंटमेंट दिए जाते हैं। होम्योपैथी वैलनेस सेंटर में भर्ती होने के लिए 9202663862 एवं 0755-2992972 नंबर उपलब्ध रहेंगे, इन नंबरों पर शासकीय कार्य दिवसों में ही संपर्क किया जा सकता है। नोडल अधिकारी डॉ. जूही गुप्ता ने बताया कि महिलाओं को विशेषज्ञ की देखरेख में विशिष्ट स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने का यह अभिनव प्रयास है। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. एस.के. मिश्रा ने बताया कि इस सेवा के माध्यम से विशेष रूप से महिलाओं को लाभान्वित किया जाएगा।

अंतर्राष्टीय योग दिवस 21 जून को प्रदेश स्तरीय होंगे कार्यक्रम, जीएडी ने जारी किये दिशा-निर्देश

भोपाल। प्रदेश में 21 जून को अंतर्राष्टीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम होंगे। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। संयुक्त राष्ट महासभा द्वारा योग को वैश्विक पहचान देते हुए वर्ष 2015 में 21 जून को अंतर्राष्टीय योग दिवस घोषित किया है। वर्ष 2015 से सारी दुनिया में योग के प्रति उत्साही भागीदारी देखी गई है। इस वर्ष अंतर्राष्टीय योग दिवस का एक दशक पूर्ण हो रहा है। इस अवसर पर वृहद रूप से अंतर्राष्टीय योग दिवस के आयोजन के साथ-साथ काउंट डाउन एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। प्रदेश में जिला, विकासखंड एवं पंचायत स्तर पर सामूहिक योग कार्यक्रम होंगे। इसमें विद्यालयों, महाविद्यालयों, चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा संस्थान, आयुष, नर्सिंग, पशु चिकित्सा, कृषि, शिक्षा, पॉलीटेक्निक, आईटीआई के साथ निजी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की भागीदारी रहेगी। प्रदेश के समस्त संस्थानों में योग दिवस में भाग लेने के लिये आयुष मंत्रालय भारत सरकार की लिंक http://yoga.ayush.vog.in/yoga.sangam में आयोजक के रूप में पंजीयन कराया जाना है। जिससे भारत सरकार स्तर पर प्रदेश में आयोजन की संख्या निर्धारित हो सके। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष अंतर्राष्टीय योग दिवस की निर्धारित थीम ÷एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिये योग÷ रखी गई है। प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर भी सामूहिक योग के लिये विशेष व्यवस्था की जा रही है। सामूहिक योग कार्यक्रम की शुरूआत 21 जून को प्रात~6 बजे से होगी। सामूहिक योग की प्रक्रिया प्रात~7.45 पर संपन्न हो जायेगी।

मंत्रि-परिषद का निर्णय

मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना अंतर्गत 30 हजार 900 किलोमीटर सड़क का होगा निर्माण

प्रदेश के बाहर से आयातित तुअर पर मंडी फीस से पूर्णतः छूट दिए जाने का निर्णय

एमबीबीएस के लिये मेधावी विद्यार्थियों को शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में दी जायेगी छात्रवृत्ति

झाबुआ, सिंगरौली, देवास, नर्मदापुरम में वर्किंग वूमन हॉस्टल निर्माण का अनुमोदन

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति के गठन की स्वीकृति

प्रदेश की 20 हजार से अधिक सुदूर बसाहटों को मुख्य मार्ग से जोड़ने 21 हजार 630 करोड़ रूपये की सैद्धांतिक स्वीकृति

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना अंतर्गत प्रदेश के सुदूर बसाहटों मजरा/टोला/धोनी/पुरा इत्यादि को बारहमासी सम्पर्कता प्रदान करने 21 हजार 630 करोड़ रूपये की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई। स्वीकृति अनुसार योजना का क्रियान्वयन 2 चरणों में किया जायेगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक पहले चरण एवं वित्तीय वर्ष 2030-31 से 2034-35 तक दूसरे चरण में कुल अनुमानित 30 हजार 900 कि.मी. मार्ग का निर्माण होगा। योजना का क्रियान्वयन राज्य मद से किया जायेगा। योजना के संबंध में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की साधिकार समिति को निर्णय लिये जाने के लिए अधिकृत किया गया है।

स्वीकृति अनुसार न्यूनतम 20 आवास और 100 से अधिक जनसंख्या वाले 6 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले ऐसे क्षेत्र, जिसके 50 मीटर की दूरी में पूर्व से बारहमासी सड़क न हो, को बसाहट के अंतर्गत लिया जायेगा। इसके लिए बसाहट की जनसंख्या के घटते क्रम में विधानसभा क्षेत्रवार प्राथमिकता सूची तैयार की जायेगी। सांसद, क्षेत्रीय विधायक और जिला पंचायत सदस्यों के परामर्श पर ग्रामीणजनों की स्थानीय आवश्यकता जैसे - सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि के आधार पर बसाहटों की प्राथमिकता में कलेक्टर द्वारा लिपिबद्ध कारणों से सूची में परिवर्तन किया जा सकेगा। अंतिम प्राथमिकता सूची का राज्य स्तर पर प्रकाशन किया जायेगा। योजना अंतर्गत 20 हजार 600 बसाहटों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए लगभग 30 हजार 900 किलोमीटर मार्ग का निर्माण किया जायेगा।

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में तुअर दाल उद्योगों की आवश्यकता के दृष्टिगत प्रदेश में बाहर से आयातित तुअर पर मंडी शुल्क से पूर्णतः छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया। छूट दिए जाने से प्रदेश में तुअर दाल की पर्याप्त उपलब्धता होगी। साथ ही परिवहन बढेगा और रोजगार में वृद्धि होगी। मंत्रि-परिषद द्वारा झाबुआ, सिंगरौली, देवास और

नर्मदापुरम में कामकाजी महिलाओं के जीवन को आसान बनाने के उद्देश्य से स्न्स्ष्ट्ठ (स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इनवेस्टमेंट) 2024-25 योजना अंतर्गत स्वीकृत 350 सीट्स की क्षमता वाले 4 वर्किंग वूमन हॉस्टल के निर्माण का सैद्धांतिक अनुमोदन दिया गया है। योजना पी.पी.पी मोड में संचालित की जायेगी। योजना पर 40 करोड़ 59 लाख रूपये खर्च होंगे। मंत्रि-परिषद द्वारा जिले के विकास योजना के लिए रोडमेप तैयार करने और जिले की दीर्घकालीन विकास योजनाएं बनाने के लिए सभी जिलों में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में ÷जिला विकास सलाहकार समिति÷ का गठन किये जाने का अनुमोदन दिया गया। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट भाषण में मध्यप्रदेश के समस्त जिलों में जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किये जाने संबंधी निर्देश दिये गये थे।

जिला विकास सलाहकार समिति में जिले के प्रभारी मंत्री उपाध्यक्ष होंगे। सांसद, जिले के समस्त विधायक, जिला मुख्यालय के महापौर या नगरपालिका अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिले के सभी जनपद अध्यक्ष के साथ उद्योग, व्यापार, प्रगतिशील किसान, समाज सेवी, चिकित्सा, विधि आदि क्षेत्रों के 20 प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। कलेक्टर समिति के सदस्य सचिव होंगे। समिति के उद्देश्यों में जिले की जनता, जनप्रतिनिधियों व अन्य हितधारकों की जरूरतों और सुझावों के अनुसार जिले के दीर्घकालीन विकास की योजनाएँ बनाना है। साथ ही समिति जिले के परंपरागत कौशल को चिन्हित कर प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल÷ के सिद्धांत के दृष्टिगत उन्हें राष्टीय और अन्तराष्टीय स्तर पर बढ़ावा देते हुए जिले की समृ?द्धि का रोडमैप तैयार करेगी। जिले की स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शासकीय योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने के सुझावों पर समिति विचार करेगी। जिले में स्थानीय प्रयासों से प्रचलित नवाचारों को एक योजना के रूप में मूर्त रूप देना। जिले में रोजगार सृजन एवं विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्यों के संबंध में सुझाव, उद्योग, व्यापार, जल संरचनाओं के संरक्षण, निर्यात, कृषि, खनिज आदि क्षेत्रों में जिले की कार्ययोजना के लिए सुझाव देना शामिल है। मंत्रि-परिषद ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिये मध्यप्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में निर्धारित अधिकतम शुल्क की राशि के समरूप राशि को मेधावी वि?द्यार्थियों को शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में छात्रवृत्ति दिए जाने की स्वीकृति दी है। यह अतिरिक्त शुल्क की पूर्ण प्रतिपूर्ति के लिये आवश्यक शेष धनराशि योजनातर्गत वि?द्यार्थियों को ब्याज रहित ऋण के रूप में शासन द्वारा दी जाएगी। मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजनांतर्गत एमबीबीएस पाठ्यक्रम में लाभ के लिये हृश्वश्वञ्ज परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक डेढ़ लाख (1.5 लाख) के अंतर्गत प्राप्त करने वाले वि?द्यार्थी ही पात्र होंगे। मध्यप्रदेश के मूल निवासी विद्यार्थियों को हृश्वश्वञ्ज परीक्षा के माध्यम से मध्यप्रदेश के शासकीय एवं निजी चिकित्सा महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों और केंद्र सरकार के सभी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों/विश्ववि?द्यालयों के एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने पर यह लाभ दिया जा सकेगा। यह व्यवस्था शैक्षणिक सत्र 2025-26 से प्रवेशित वि?द्यार्थियों पर प्रभावशील होगी।

उल्लेखनीय है कि पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद आगामी 5 वर्षों के लिये राज्य शासन द्वारा निर्धारित ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करने पर सेवाकाल के अनुपात में ऋण की अतिशेष राशि को कम माना जा सकेगा। निर्णयानुसार ढाई वर्ष कार्य करने पर 50 प्रतिशत ऋण भुगतान किया हुआ माना जाएगा। पांच वर्ष की सेवा के बाद अतिदेय राशि को शून्य मान्य किया जा सकेगा। पांच वर्ष की ग्रामीण क्षेत्र की कार्य करने की सेवा संबंधी शर्त पूरी नहीं करने की स्थिति में अनुपातिक रूप से शेष ऋण की राशि शासन को वापस किया जाना आवश्यक होगा।

योजना के क्रियान्वयन में सही एवं पात्र हितग्राहियों को लाभ प्राप्त हो सके, इसके लिये योजना के पोर्टल अन्य समान योजनाओं के पोर्टल से समन्वित किए जाएंगे। इसके हितग्राही मध्यप्रदेश में ही 5 वर्ष के लिए कार्य करें, यह सुनिश्चित करने के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। स्व-प्रमाणीकरण से आय के प्रमाणन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग एवं वित्त विभाग के साथ समन्वय कर तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे।

लाड़ली बहना योजना की सिल्वर ज़ुबली, 25वीं किस्त के लिए बस दो दिन इंतजार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

10 जून 2023 को मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना की पहली किश्त जारी हुई थी। आज योजना को 25 महीने पूरे हो गए हैं, वहीं लाड़ली बहना योजना की सिल्वर जुबली पर पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में अहम कदम बताया। योजना ने राज्य की महिलाओं के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। शिवराज सिंह ने सोशल मीडिया पर सभी लाड़ली बहना को बधाई दी। यह योजना आर्थिक सहायता के साथ-साथ आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और स्वाभिमान की ओर एक कदम बढ़ाती है। आज का दिन महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक है। 10 जून, 2023 को ही मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की पहली किश्त हमारी बहनों के खातों में पहुँची थी। यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान की ओर बढ़ाया गया एक सशक्त कदम था।

लाड़ली बहना योजना का उद्देश्य: लाड़ली बहना योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें एक मजबूत आर्थिक सहारा देना था। इस योजना के तहत महिलाओं को हर महीने एक निश्चित राशि दी जाती है, ताकि वे अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर सकें। यह योजना महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता देने की दिशा में एक अहम कदम है, जिससे न केवल उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है, बल्कि उनकी सामाजिक स्थिति भी बेहतर हुई है।

योजना के प्रमुख लाभ: लाड़ली बहना योजना के 25 महीने पूरे होने के बाद इसके परिणाम बहुत सकारात्मक रहे हैं। इस योजना से कई महत्वपूर्ण लाभ जुड़े हैं, जैसे-

आर्थिक सहायता: महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए की सहायता दी जा रही है, जिससे उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त हुई है।

स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता: योजना के तहत महिलाओं को खुद के निर्णय लेने की शक्ति मिली है, जो उनके आत्मसम्मान में वृद्धि कर रही है।

सामाजिक सुरक्षा: यह योजना महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, ताकि वे किसी भी आर्थिक संकट से जूझ सकें।

लाड़ली बहना योजना के 25 महीने में बदलाव: लाड़ली बहना योजना के 25 महीने पूरे होने पर इसके अंतर्गत कई बदलाव हुए हैं, जो समाज में महत्वपूर्ण बदलाव ला रहे हैं। इस योजना के तहत सरकार ने कई योजनाओं और योजनाओं की निगरानी की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी महिलाएं इसका लाभ उठा सकें-

1. सीधे महिलाओं के खातों में रुपए

पहल के रूप में, योजना के पहले चरण में सरकार ने महिला लाभार्थियों के खातों में सीधे धन हस्तांतरित किया। यह प्रक्रिया महिलाओं को उनकी वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाने में मदद करती है।

2. स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा

महिलाओं को अपने आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया और उन्हें स्वयं सहायता समूहों में जोड़ने का प्रयास किया गया। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ, बल्कि सामाजिक स्थिति में भी वृद्धि हुई।

प्रधानमंत्री मोदी के 11 गौरवशाली वर्ष भारत के पुनर्जागरण, नव निर्माण और वैश्विक प्रतिष्ठा की यात्रा का प्रतीक: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने की यह अवधि केवल शासन के वर्षों की गणना नहीं, बल्कि भारत के पुनर्जागरण, नव निर्माण और वैश्विक प्रतिष्ठा की यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत में नेतृत्व का संकट, नीतिगत जड़ता और व्यापक निराशा का वातावरण था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश को उस अंधकार से बाहर निकालकर एक नवउज्ज्वल, आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अग्रसर किया है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'गरीब, युवा, नारी और अन्नदाता' को विकास की मुख्य धारा में शामिल करते हुए, जन-कल्याण की योजनाओं को तीव्रता से धरातल पर उतारा। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, जनधन योजना, हर घर बिजली योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन जैसे क्रांतिकारी प्रयासों ने सामाजिक संरचना को

सशक्त और समावेशी बनाया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि देश में अब तक 58 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। 70 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 7 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त इलाज की सुविधा सुनिश्चित की गई है। करोड़ों परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे उनका जीवन गरिमा और सुरक्षा से भर गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह प्रधानमंत्री श्री मोदी का ही साहसिक नेतृत्व था, जिसने वर्षों से लंबित ऐतिहासिक और संवेदनशील मुद्दों को निर्णायक रूप से सुलझाया– चाहे धारा 370 का उन्मूलन हो, अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, तीन तलाक जैसी कुप्रथाओं का अंत हो या संसद में महिला आरक्षण विधेयक का पारित होना। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ÷विकसित भारत - 2047÷ का जो विज़न प्रस्तुत किया है, वह भारत को आने वाले वर्षों में जर्मनी, जापान को पीछे छोड़ते हुए तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आज भारत चौथे स्थान पर है, और आगे बढ़ने का आत्मविश्वास उसके नेतृत्व में स्पष्ट दिखाई देता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को चरितार्थ करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत को वैश्विक मंचों पर सशक्त आवाज दी है। जी-20 की अध्यक्षता से लेकर वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंता तक, उन्होंने भारत को केवल एक राष्ट नहीं, बल्कि विश्व कल्याण का मार्गदर्शक बनाया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह 11 वर्ष केवल ÷शासन के वर्ष÷ नहीं, बल्कि राष्ट निर्माण की गौरवगाथा है, जिसमें हर भारतीय को गर्व है कि उसे श्री नरेन्द्र मोदी जैसा

मध्यप्रदेश के 20 उत्पादों के जीआई टैगिंग प्रक्रिया के लिये एमओयू हुआ

भोपाल। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अंतर्गत राज्य नोडल एजेंसी, मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम द्वारा विश्व बैंक समर्थित आरएएमपी योजना के अंतर्गत जीआई टैगिंग के लिए राज्य स्तरीय परामर्श बैठक मंगलवार को लघु उद्योग निगम के कान्फ्रेंस हॉल में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम और ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन वाराणसी के बीच जीआई टैगिंग प्रक्रिया संबंधी एमओयू किया गया।

कार्यशाला में राज्य के पारंपरिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट उत्पादों की पहचान कर उन्हें जीआई टैग दिलवाने हेतु आवश्यक विभागीय समन्वय स्थापित करने पर चर्चा हुई। इन उत्पादों को कानूनी संरक्षण, राष्टीय और अंतरराष्टीय बाज़ारों तक पहुंच और ब्रांडिंग के ज़रिये व्यापक पहचान दिलवाने पर भी विमर्श हुआ। आयुक्त एमएसएमई श्री दिलीप कुमार ने विभागों से योजना के तहत बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया तथा देश को होने वाले फायदों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में कृषि, हस्तशिल्प, वनोपज, वस्त्र एवं खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में पारंपरिक उत्पादों की जीआई टैगिंग के लिए पहचान करना, जीआई पंजीकरण प्रक्रिया संबंधी आवश्यक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दस्तावेजों का संकलन और विभागीय समन्वय के माध्यम से एक साझा कार्य योजना बनाने के साथ आगामी वर्ष में 20 उत्पादों की जीआई फाइलिंग करने पर चर्चा हुई। जीआई उत्पादों को एक जिला-एक उत्पाद नीति से जोड़ते हुए बाज़ार और ब्रांडिंग के अवसरों को बढ़ावा देने पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत में जीआई टैगिंग विशेषज्ञ एवं ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन, वाराणसी के कार्यकारी निदेशक डॉ. रजनीकांत ने जीआई टैगिंग की प्रक्रिया, कानूनी ढांचा, और देशभर में हुए सफल जीआई पंजीकरणों की जानकारी साझा की।

प्रति वर्ष 'बावड़ी-उत्सव' मनाने का जन संकल्प, प्राचीन बावड़ी को सहेजने एकजुट हुए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बावड़ियां प्राचीन काल के श्रेष्ठ जल संरक्षण और प्रबंधन का सजीव उदाहरण हैं। पूर्वजों की इस अमूल्य धरोहर को आने वाली पीड़ी को सौंपना हम सभी की जिम्मेदारी है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ने जल गंगा संवर्धन अभियान में बावड़ी महोत्सव मनाकर पूर्वजों की बुद्धिमत्ता और उनके प्रकृति से घनिष्ट संबंधों की स्मृतियों को जीवंत कर दिया। जल गंगा अभियान का संचालन 30 मार्च से 30 जून तक किया जा रहा है। अभियान में श्रमदान से जल स्रोतों की सफाई, गहरीकरण, नई संरचनाओं का निर्माण और प्राचीन जल स्रोतों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में बावड़ी उत्सव का आयोजन एक अभिनव प्रयास सराहनीय है।

जल गंगा संवर्धन अभियान जन अभियान परिषद की झाबुआ इकाई ने जल स्त्रोतों को सहेजने के प्रयासों को उत्सव का रूप देते हुए थांदला के अष्ट भंजन हनुमान मंदिर में 300 वर्ष प्राचीन बावड़ी में 'बावड़ी-उत्सव' का आयोजन किया गया। ÷एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अंतर्गत बावड़ी के समीप पौधरोपण भी किया गया। 'बावड़ी-उत्सव' में भजन कीर्तन और संगोष्ठी और आरती का आयोजन किया गया। 'बावड़ी-उत्सव' में सहभागिता कर रहे स्थानीय नागरिकों ने गंगा दशहरा पर्व पर प्रति वर्ष 'बावड़ी-उत्सव' मनाने का संकल्प लिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जबलपुर इकाई ने बावड़ी, तालाब और कुओं जैसे जल स्त्रोतों के सरंक्षण में शासन-प्रशासन के साथ जन प्रतिनिधियों एवं नागरिकों का भी सहयोग लिया गया। जन-सहभागिता से बावड़ी महोत्सव मना कर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया।

मंडला के महाराजपुर संगम घाट स्थित बावड़ी में ÷बावड़ी उत्सव÷ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल के आचार्य संत श्री भीमदेव और मां नर्मदा गौशाला जिलहरी घाट, गाजीपुर से प्रवास कर रहीं साध्वी मनीषा दीदी और स्थानीय श्रद्धालु शामिल हुए। उत्सव में मां नर्मदा के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। बावड़ी को रंग-रोगन, रंगोली, दीपों एवं लाइट से सजाया गय। बावड़ी पूजन के बाद मां नर्मदा की आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। बावडी का निर्माण वर्ष 1890 में हुआ था। इस बावड़ी की संरचना इस तरह से की गई है कि इसमें नर्मदा जलधारा हमेशा बनी रहती है।

प्लास्टिक कचरे से होने वाले प्रदूषण के प्रति जागरुकता

मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद की छिंदवाड़ा इकाई ने तामिया विकासखंड में प्लास्टिक पॉल्यूशन होने वाले हानिकारक परिणामों को बताकर जागरूक किया। पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक जैसे जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिये समुदाय की भागीदारी के बारे में बताया गया। जल संरक्षण, स्वच्छता, पौधारोपण करने के लिये ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। तामिया के शनि मंदिर प्रांगण में पौधारोपण किया गया और प्लास्टिक, बॉटल व कचरे की सफाई की गई।

तकनीकी शिक्षक संघ ने मांगों को लेकर राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। प्रदेश की एकमात्र तकनीकी विश्वविद्यालय राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल में 4 साल से अधिक अवधि में प्रतिनियुक्ति/रोशनल डेपुटेशन/अटैचमेंट में कार्यरत अधिकारी/ शिक्षकों का स्थानांतरणआदि की मांग को लेकर तकनीकी शिक्षक संघ ने एक ज्ञापन राज्यपाल को सौंपा। जिसमें कहा गया कि म.प्र. शासन द्वारा शिक्षकों के स्थानांतरण हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसे देखते हुए संघ निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित करना चाहता है, ताकि संस्थानों में शिक्षकों की कमी ,शिक्षण कार्य के संचालन में गुणवत्ता, पारदर्शिता सुनिश्चित किया जा सके-

प्रदेश की एकमात्र तकनिकी विश्वविद्यालय आरजीपीव्ही संस्था में कार्यरत शिक्षको को वर्तमान में 07 वर्गों में विभाजित किया गया है 1. विश्वविद्यालयीन सेवा में कार्यरत शिक्षक 2. शासकीय वर्ग के कार्यरत शिक्षक/अधिकारी 3. शासकीय वर्ग के यूआईटी,आरजीपीव्ही में नोशनल डेप्युटेशन में कार्यरत शिक्षक 4. 2004 नियमावली नियुक्त (सोसाइटी के पद) डेपुटेशन के शिक्षक 5. स्न्ञ्जद्ध विदिशा में कार्यरत डेपुटेशन के शिक्षक 6. संविदा शिक्षक 7. गेस्ट फैकल्टी

इन व्यवस्थात्मक भिन्नता से विश्वविद्यालय में प्रशासनिक एवं शेक्षणिक असंतुलन उत्पन्न हो रहा है। 1. प्रतिनियुक्ति / अटैचमेंट की अवधि सीमा का पालन एवं मूल संस्था में पदस्थापना का अनुरोध राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कार्य परिषद द्वारा डेपुटेशन एवं अटैचमेंट कार्यरत अधिकारी/ शिक्षकों की अधिकतम अवधि 4 वर्ष निर्धारित की है द्व मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग (त्र्..ष्ठ.) द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार, किसी भी अधिकारी / शिक्षक की प्रतिनियुक्ति अथवा अटैचमेंट की अधिकतम अवधि चार वर्ष निर्धारित की गई है। उक्त नियमों के प्रभावी परिपालन से प्रशासनिक पारदर्शिता, कार्यकुशलता एवं संस्थागत संतुलन सुनिश्चित किया जा सकता है।

इंदौर मेट्रो में घटती भीड़ ने बढ़ाई चिंता, 20 हजार से 4 हजार हुए यात्री

इंदौर। इंदौर मेट्रो में अब यात्रियों की संख्या में गिरावट देखने को मिल रही है। बीते दस दिनों तक प्रतिदिन 15 से 20 हजार यात्री मेट्रो का इस्तेमाल कर रहे थे, लेकिन मेट्रो सूत्रों के अनुसार मंगलवार दोपहर तक यह संख्या घटकर 1700 से भी नीचे आ गई।

सोमवार को भी मेट्रो में सफर करने वालों की संख्या सिर्फ 4022 रही। सुबह और दोपहर के समय यात्रियों की उपस्थिति बेहद कम दर्ज की गई, जबकि शाम पांच बजे के बाद थोड़ी बढ़ोतरी देखने को मिली। उस दिन हर 15 मिनट के अंतराल पर मेट्रो चलाई जा रही थी। मेट्रो सेवा शुरू होने के बाद यह पहला मौका था जब सोमवार को यात्रियों की संख्या इतनी कम रही। मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, आगामी दो से तीन दिनों तक मेट्रो हर 15 मिनट के अंतराल पर संचालित की जाएगी। हालांकि, यदि आने वाले दिनों में भी यात्री संख्या में गिरावट जारी रही, तो मेट्रो की समय-सारिणी में बदलाव किया जाएगा। कम भीड़ की स्थिति में ट्रेनें हर 30 मिनट पर चलाई जाएंगी।

मेट्रो सेवा की शुरुआत के पहले दिन, 1 जून को 26,803 यात्रियों ने इसका उपयोग किया था। हालांकि, 8 जून को यह संख्या घटकर 18,087 रह गई। आशंका जताई जा रही है कि यदि आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या में और गिरावट आती है, तो मेट्रो की फ्रीक्वेंसी केवल वीकेंड और अवकाश वाले दिनों में ही बढ़ाई जाएगी।

इंदौर मेट्रो में दो स्टेशनों के बीच यात्रा करने पर यात्री को 5 रुपए, जबकि पांच स्टेशनों तक सफर करने पर 8 रुपए किराया देना होता है। 8 से 15 जून तक मेट्रो में 75त्न किराया छूट दी जा रही है। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई यात्री देवी अहिल्याबाई होलकर स्टेशन (गांधी नगर) से सवार होकर पांचवें स्टेशन वीरांगना झलकारी बाई (टीसीएस) तक जाता है, तो उसे 8 रुपए का टिकट लेना होगा। वापसी में भी उतनी ही राशि यानी 8 रुपए का किराया देना पड़ेगा।

संपादकीय

भटकाव की राह में रिश्तों का कत्ल

पिछले एक पखवाड़े में इंदौर से विवाह के तुरंत बाद मेघालय हनीमून पर गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के अचानक लापता होने की गुत्थी ने पूरे देश का ध्यान खींचा। हालांकि, 23 मई को लापता होने के बाद राजा का शव दो जून को बरामद हो गया था, लेकिन सोनम के लापता होने की घटना निरंतर देशवासियों को परेशान करती रही। यहां तक कि मेघालय के लोगों के शेष भारत के लोगों के साथ कथित आक्रामक व्यवहार के नाम पर मेघालय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अतिरंजित टिप्पणियां तक की जाती रहीं। लेकिन मेघालय पुलिस की गहन छानबीन के बाद इंदौर के तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद सोनम का उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस के समक्ष समर्पण करना, इस पूरे कांड की कहानी ही बदल देता है। सवाल उठे कि मेघालय के जिस ईस्ट खासी हिल्स जिले में राजा का शव मिला वहां से एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी पर उ.प्र. के गाजीपुर सोनम कैसे पहुंची। अब इस रहस्यमय मामले पर से मेघालय, उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश की पुलिस पर्दा उठाने की कोशिश में है। इंदौर के राजा दंपति का हनीमून मनाने मेघालय जाना, फिर दोनों का गायब होना, राजा का शव बरामद होना तथा सोनम के लापता होने का घटनाक्रम किसी फिल्मी कहानी की तरह आगे बढ़ता रहा। अब सोनम के परिजन उसे बेगुनाह बताने की कोशिश में हैं तो राजा का परिवार दोषियों को सजा देने की मांग कर रहा है। लेकिन सारे मामले में सोनम की भूमिका, उसके पिता की फर्म के कर्मचारी की गिरफ्तारी तथा सोनम की रहस्यपूर्ण ढंग से गाजीपुर पहुंचने की कहानी कई संदिग्ध सवालों को जन्म दे रही है। लोगों के दिमाग में सवाल हैं कि दोनों परिवारों की सहमति से 11 मई को हुई शादी का यह दुखांत क्यों? हालांकि, राजा की हत्या बहुत ही सुनियोजित तरीके से की गई, लेकिन गाइड द्वारा राजा-सोनम के साथ तीन अन्य लोगों की उपस्थिति की बात ने मेघालय पुलिस को हत्या के तार जोड़ने में मदद की। दरअसल, शिलांग पुलिस ने बताया था कि इंदौर के एक व्यक्ति की हत्या में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें हनीमून के दौरान हत्या की साजिश रचने वाली उसकी पत्नी भी शामिल है। अब तक रहस्यमय तरीके से लापता बहू के मिलने की प्रतीक्षा कर रहे राजा के परिवार को हकीकत जानकर सदमा लगा है। मेघालय पुलिस के दावे के बाद उन्होंने सोनम की तसवीरें जलाकर गुस्सा जाहिर किया है। सार्वजनिक विमर्श में ये सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब दोनों परिवारों की सहमति से विवाह हुआ तो यह दुखांत क्यों? हाल के दिनों में मेरठ व देश के अन्य भागों में प्रेमी से मिलकर पति की हत्या करने के कई मामलों ने विवाह संस्था पर मंडराते संकट पर चिंता बढ़ाई है। सवाल उठा है कि परिवार की सहमति से धूमधाम से विवाह रचाने वाली सोनम ने आखिर ऐसा घातक कदम क्यों उठाया? जैसा कि बताया जा रहा है कि उसने अपने पुराने प्रेम संबंधों के लिये राजा को अपनी राह से हटाया। उसने खुद ही मेघालय की फ्लाइट बुक की और सुनियोजित तरीके से भारी-भरकम गहनों के साथ कथित हनीमून पर निकली। आखिर क्यों विवाह से पूर्व आरोपी ने घर वालों को दो टूक नहीं कहा कि वह किसी और से प्यार करती है? क्या उसे कथित अपने प्यार को पाने के लिये राजा की जान लेनी जरूरी थी? क्यों अपने व ससुराल पक्ष के लाखों रुपये शादी के नाम पर यूं ही जाया किये? घर में शादी की रौनक के बीच बेटे की लाश के आने का ग़म राजा के परिवार को सालों साल सालता रहेगा। निश्चित रूप से यह घटना करोड़ों रिश्तों में एक हुई है, लेकिन समाज में अविश्वास के बीज बोती तो नजर आती है। लोग ऐसी घटना का उल्लेख करते हुए होने वाले तथा हो चुके रिश्तों को संशय की दृष्टि से देखेंगे। जो किसी स्वस्थ समाज के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं हैं।

मोदी के 11 साल बस इतना ही काफी है

कौशल किशोर चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल पूरे होने का जश्न भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में मना रही है। जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल पूरे होने से पर जापान में रह रहे भारतीयों ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने केंद्र की एनडीए-भाजपा सरकार के 11 साल पूरे होने को गौरवशाली क्षण बताया है। जापान में रहने वाले भारतीयों का मानना है कि नरेंद्र मोदी के कार्यकाल ने न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को बदल दिया है, बल्कि भारत की वैश्विक स्थिति को भी महत्वपूर्ण रूप से बेहतर बनाया है। और भारत की वैश्विक पहचान बनाने का पूरा श्रेय वह मोदी को देते हैं। शायद यही मोदी के 11 साल की उपलब्धियां बताने के लिए काफी है। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के 20वीं सदी के रिकॉर्ड की बराबरी कर एक गैर कांग्रेसी नेता के रूप में 21वीं सदी में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। मोदी का यह रिकॉर्ड टूट पाना भारत में बहुत मुश्किल नहीं तो बहुत आसान भी नहीं है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मोदी सरकार के 11 साल की उपलब्धियों पर बोल रहे थे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदू-मुसलमान में भेदभाव नहीं किया। वास्तव में मोदी ने तीन तलाक प्रथा खत्म कर हिंदू मुस्लिम भेदभाव खत्म करने की दिशा में ही काम किया है। चाहे हिंदू महिलाएं हो या मुस्लिम सबको सम्मान के साथ जीने का पूरा अधिकार है। और इसीलिए मुस्लिम महिलाओं ने भी तीन तलाक खत्म होने पर खुशी जताई थी। समान नागरिक संहिता भी भेदभाव के खात्मे की ही एक सोच है। और वक्फ बोर्ड के स्वरूप परिवर्तन की दिशा में भी मुसलमान मोदी का साथ निभा रहे हैं। कश्मीर में अनुच्छेद 370 का खत्म होना भी राष्ट्रीय स्तर पर भेदभाव को खत्म करने की दिशा में एक ऐसा कदम था जो हिंदू मुस्लिम भेदभाव को मिटाने वाला साबित हुआ। और अब चिनाब नदी पर सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाकर कश्मीर तक पहुंच और भी ज्यादा आसान हो गई है। आतंकवाद के खात्मे की दिशा में भी मोदी के 11 साल के काम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पर इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करने के लिए भी बहुत कुछ है। और इन मुद्दों पर भी विपक्ष का आलोचनात्मक नजरिया हो सकता है।अगर एनडीए गठबंधन और भाजपा अपने तर्कों से यह साबित करने में सक्षम है कि मोदी के राज में देश खुशहाल है तो इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के पास भी उतने ही तर्क हैं जिससे वह साबित करने की कोशिश करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल में देश खस्ताहाल हो गया है। हालांकि एक बार फिर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उस बात को सिरे से नहीं नकारा जा सकता है, जिसमें एक सवाल के जवाब में उन्होंने साबित किया कि लगातार तीसरी बार एनडीए गठबंधन की जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धि ही है। भले ही 2024 के चुनाव में कांग्रेस की सीटें 99 तक पहुंच गई हों और भाजपा पिछले आम चुनाव की तुलना में कम सीटें पाई हो, लेकिन यही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है और यही तो साबित करता है कि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं है। और मोहन यह कहने से नहीं चूके कि विपक्ष की मानसिकता ही खराब है। हालांकि मोदी के 11 साल की यह भी बड़ी उपलब्धि है कि जब पहलगाम में आतंकियों ने धर्म के आधार पर गैर मुसलमानों का कत्ल किया और हिंदू महिलाओं का सिंदूर उजाड़ा तब ऑपरेशन सिंदूर में पक्ष विपक्ष का भेदभाव खत्म कर सबने एकता का परिचय दिया। वहीं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहे। मोदी के नेतृत्व में देश में जनकल्याण और विकास में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं। मोदी सरकार के कल्याणकारी योजनाओं ने करोड़ों लोगों का जीवन बदलने का कार्य किया।

तो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार के 11 साल पूरे होने पर विपक्ष ने तीखा हमला बोला है। कांग्रेस और लोकदल ने बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की दुर्दशा और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर सरकार को घेरा है। विपक्षी दलों ने सरकार के विकास के दावों को खोखला बताते हुए जमीनी हकीकत से दूर बताया है। कांग्रेस का आरोप है कि 11 साल जुमले बेशुमार, देश की हालत खस्ताहाल। तो विपक्ष संविधान को कमजोर करने के आरोप लगाकर भी मोदी सरकार को आइना दिखाने में परहेज नहीं कर रहा है।

तो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार के 11 साल पूरे होने पर विपक्ष ने तीखा हमला बोला है। कांग्रेस और लोकदल ने बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की दुर्दशा और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर सरकार को घेरा है। विपक्षी दलों ने सरकार के विकास के दावों को खोखला बताते हुए जमीनी हकीकत से दूर बताया है। कांग्रेस का आरोप है कि 11 साल जुमले बेशुमार, देश की हालत खस्ताहाल। तो विपक्ष संविधान को कमजोर करने के आरोप लगाकर भी मोदी सरकार को आइना दिखाने में परहेज नहीं कर रहा है।

खैर धूप और छांव, अंधेरे और उजाले, प्रशंसा और आलोचना, खुशहाल और खस्ताहाल, मोहब्बत और नफरत, सकारात्मक और नकारात्मक, ऊंच और नीच जैसे शब्द सापेक्षिक हैं और नजरिए के साथ करवट बदलते रहते हैं। पर राजनीति में ऐसे शब्द परेशानी का सबब कभी नहीं बनते। पक्ष विपक्ष की सीमा रेखा यही है कि विपक्ष उपलब्धियां मानने को तैयार नहीं है तो पक्ष को कमियां कभी नजर नहीं आतीं। और राजनीतिक आबोहवा में सबका अपना-अपना आनंद है।

पर मोदी के 11 साल या मोदी के प्रधानमंत्रित्व काल की जब भी बात होगी तब उपलब्धियों को नकारा नहीं जा सकेगा। चाहे आर्थिक महाशक्ति की बात हो, चाहे सैन्य शक्ति की बात हो, चाहे अंतरिक्ष में उपलब्धियों की बात या गरीब, नारी, अन्नदाता और युवाओं की बात हो, चाहे रक्षा-शिक्षा या सामाजिक बदलाव की बात हो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में उपलब्धियों की एक लंबी श्रृंखला तो तैयार हुई ही है। जब भारत के सभी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का तुलनात्मक अध्ययन होगा, तब भी मोदी का स्थान अव्वल में रहेगा। तो मोदी के 11 साल पूरे होने पर सभी नजरिए से यह सटीक वाक्य है कि, 'मोदी के 11 सालज्बस इतना ही काफी हैज्?।'

मोदी सरकार के कई ऐसे फैसले जिसने देश की तस्वीर बदल कर रख दी

रामनोहन शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी केंद्र सरकार ने ग्यारह साल का कार्यकाल पूरा कर लिया। साल 2014 में देश की सत्ता आने के बाद फिर मोदी सरकार को देश की जनता ने साल 2019 में प्रचंड जीत दिलाई. इसके बाद फिर 2024 में सरकार वापसी करने में सफल रही7 इन ग्यारह सालों के दौरान कई कारणों से मोदी सरकार ने न सिर्फ देश में चर्चा बटोरी बल्कि अंतरराष्ट्रीय फलक पर भी देश का नाम रोशन किया। इस दौरान भाजपा पूरे देश में अपनी एक नई पहचान बना पाने में कामयाब रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार जनहितैषी योजनाओं के लिए हमेशा याद की जाएगी7 मोदी सरकार के अब तक के शासनकाल में कई ऐसी योजनाएं लाई गई हैं, जिसका सीधा फायदा आमलोगों को हो रहा है। फिर चाहे वह युवाओं को रोजगार मुहैया कराने से जुड़ी योजनाएं हों या फिर महिलाओं के जीवनस्तर को ऊपर उठाने वाली योजनाएं हों। मोदी सरकार ने इसके अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करने के लिए भी कई योजनाओं को मूर्त रूप दे चुकी है। इससे ग्रामीण और शहरी भारत में खुशहाली और तरक?की को देखा और महसूस किया जा सकता है। मोदी सरकार के वे फैसले और योजनायें जिन्होंने देश की तस्वीर वदल कर रख दी।

नोटबंदी – पीएम मोदी ने आठ नवंबर 2016 को देश में नोटबंदी का एलान किया। उन्होंने घोषणा की, कि अब 500 और 1000 हजार रुपये के नोट लीगल टेंडर नहीं रहेंगे। प्रधानमंत्री ने यह फैसला मुख्य रूप से कालेधन पर अंकुश लगाने के लिए लिया था।

जीएसटी – मोदी सरकार ने एक जुलाई 2017 को देश में गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी जीएसटी को लागू किया। जीएसटी अप्रत्यक्ष कर है। माल और सेवा कर अधिनियम 29 मार्च 2017 को संसद में पारित किया गया। जीएसटी का मुख्य उद्देश्य देश में एक टैक्स सिस्टम को लागू करना था।

तीन तलाक कानून लागू करना– मोदी सरकार 2.0 के सबसे अहम फैसलों में तीन तलाक को आपराधिक कृत्य घोषित करना है। संसद में तीन तलाक विधेयक को पारित करवाकर सरकार ने तीन तलाक की शिकार महिलाओं को बड़ी राहत दी। तीन तलाक कानून को मुस्लिम महिला (विवाहों पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 कहा जाता है। तीन तलाक विधेयक को एक अगस्त 2019 को संसद में पारित कराया गया। तीन तलाक को तलाक-ए-बिद्दत भी कहा जाता है। इसमें मुस्लिम पुरुष अपनी बीवी को तीन बार तलाक बोलकर तलाक दे सकता था। उसको तलाक देने की वजह भी नहीं बतानी पड़ती। तीन तलाक कानून को लागू करने का उद्देश्य मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बनाने और इस प्रथा पर रोक लगाना था।

सर्जिकल स्ट्राइक- पीएम मोदी के सबसे बड़े फैसलों में सर्जिकल स्ट्राइक को शामिल करना जरूरी है। भारत सरकार ने 29 सितंबर 2016 को घोषणा की कि उसने पीओके में नियंत्रण रेखा के पार सर्जिकल स्ट्राइक कर आतंकवादी लॉन्चपैड को नष्ट कर दिया और बड़ी संख्या में आतंकी मारे गए। भारत ने उरी हमले का बदला लेने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक की थी। उरी हमले में 18 जवान बलिदान हो गए थे। सर्जिकल स्ट्राइक को उरी हमले के 10 दिन के अंदर अंजाम दिया गया। अभी हाल ही में पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भी पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला किया7 जब पाकिस्तान ने जबावी हमला किया तो भारत ने न सिर्फ पाकिस्तान के हमलों को नाकाम किया बल्कि पाकिस्तान के 11 एयरबेसों पर हमला कर तहस-नहस कर दिया और पाकिस्तान ने हार मानकर सीजफायर के लिए आग्रह किया।

नागरिकता संशोधन अधिनियम नागरिकता संशोधन अधिनियम को 2019 में संसद में पास किया गया था। इसका उद्देश्य पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान से आए अल्पसंख्यकों (हिंदू, सिख, ईसाई, पारसी, जैन और बौद्ध) को भारत की नागरिकता देना है। यह कानून राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद 10 जनवरी 2020 से लागू हो गया। अल्पसंख्यकों में मुसलमानों को न शामिल करने को लेकर देशभर में आंदोलन शुरू हो गया। शाहीन बाग आंदोलन का मुख्य केंद्र रहा। संशोधन में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की 25 सिफ़ारिशें शामिल हैं, जिसका उद्देश्य असमानता को दूर करना , केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में कम से कम दो मुस्लिम महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य करके लैंगिक समानता लाना और महिला उत्तराधिकार अधिकारों को सुनिश्चित करना और राज्य वक्फ बोर्डों में विभिन्न मुस्लिम संप्रदायों से प्रतिनिधित्व की आवश्यकता के ज़रिए सांप्रदायिक समावेशिता को बढ़ावा देना है । यह अधिनियम केंद्र सरकार को पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए वक्फ पंजीकरण, लेखा परीक्षा और खातों के लिए नियम बनाने का अधिकार देता है । एक अपील प्रक्रिया भी शामिल की गई है, जिससे वक्फ न्यायाधिकरणों द्वारा लिए गए निर्णयों को 90 दिनों के भीतर उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है।

मोदी सरकार की योजनाएं हर घर जल योजना– हर घर जल योजना एक भारतीय सरकार द्वारा 2019 में शुरू की गई एक योजना है, जिसका उद्देश्य हर ग्रामीण घर में नल से पानी उपलब्ध कराना है7 यह योजना जल जीवन मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत के सभी घरों में सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कर

स्वच्छ भारत मिशन - दिनांक 2 अक्टूबर, 2014 को शुरू किया गया जिसका उद्देश?य शहरी भारत को खुले में शौच से मुक?त करना तथा देश में 4041 सांवधिक कस्?बे में नगरीय ठोस अपशिष्ट का शत-प्रतिशत वैज्ञानिक प्रबंधन सुनिश्चित करना है । खुले में मल त्याग की प्रथा को समाप्त करना।

गरीबों को फ्री राशन- 26 मार्च, 2020 को राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के बाद, भारत सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) की घोषणा की, जिसके तहत 80 करोड़ लोगों को हर महीने प्रति व्यक्ति 5 किलो चावल या गेहूं और प्रति परिवार 1 किलो पसंदीदा दाल मुफ्त में उपलब्ध कराई जा रही है ।

वंदे भारत ट्रेन- एक भारतीय अर्ध-हाई स्पीड ट्रेन और भारत की पहली बिना इंजन की ट्रेन है। यह पूरी तरह से भारत में डिजाइन और निर्मित होने वाली पहली ट्रेन भी है। इसे सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै (आईसीएफ) द्वारा 18 महीने की अवधि में भारत सरकार के मेक इन इंडिया पहल के तहत डिजाइन और बनाया गया था।

नए संसद भवन की सौगात - संसद की नई इमारत को 'भारत का संसद भवन' नाम दिया गया है

मेक इन इंडिया भारत सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाना है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भारत में निवेश को आकर्षित करना, विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देना, और घरेलू उत्पादों का उत्पादन करना है।

शिव-साधना में रचा-बसा प्रेम और विश्वास 33 साल बाद भी दोनों की जोड़ी प्यार, भरोसे और साथ निभाने की मिसाल

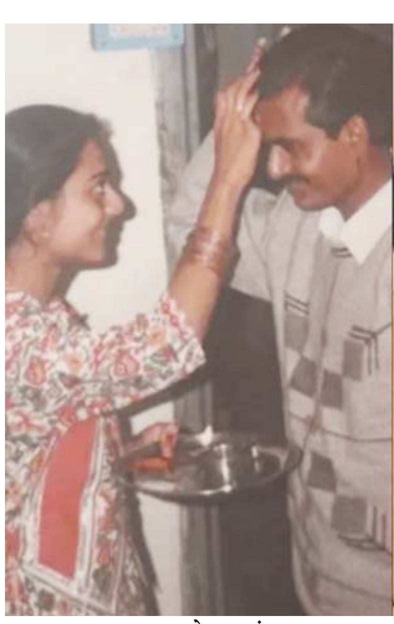

राजेश जयंत

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज अपनी धर्मपत्नी साधना सिंह के जन्मदिन पर ङ्क पर दो खास संदेश साझा किए, जो रिश्तों और जिम्मेदारी की गहराई को खूबसूरती से दर्शाते हैं।

पहली पोस्ट में उन्होंने साधना जी के साथ एक पुरानी फोटो शेयर की और लिखा कि साधना जी उनके जीवन की असली शक्ति, सच्ची हमसफर और हर सफर की प्रेरणा हैं- वो साथी, जिनके बिना जिंदगी अधूरी है।

दूसरी पोस्ट में परिवार संग पौधारोपण करते हुए उन्होंने रिश्ते में हरियाली और ताजगी का नया रंग भर दिया, और सभी को खास पलों को पौधा लगाकर यादगार बनाने का संदेश दिया।

इन संदेशों में जिम्मेदारी के साथ-साथ वो गहरा प्यार भी झलकता है, जो वक्त के साथ और मजबूत हुआ है। ?

अब अगर बात करें इनकी लव स्टोरी की, तो ये वाकई बेहद दिलचस्प और रोमांटिक है।

शिवराज जी ने बचपन में शादी न करने की कसम खा ली थी, लेकिन 1991 में सांसद बनने के बाद बहन की जिद पर साधना जी से मिले। पहली मुलाकात में ही दोनों एक-दूसरे के स्वभाव और ईमानदारी से प्रभावित हो गए।

शिवराज जी ने साधना जी को एक लव लेटर लिखा, जिसमें अपने व्यस्त सार्वजनिक जीवन के बावजूद हमेशा दिल से साथ निभाने का वादा किया। शादी से पहले दोनों ने साथ में होली भी मनाई, और धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई।

6 मई 1992 को दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद साधना जी हर कदम पर शिवराज जी के साथ रहीं—राजनीति, सामाजिक काम या परिवार, हर जगह उनका साथ और समर्थन बना रहा। लाड़ली लक्ष्मी, बेटी बचाओ और लाड़ली बहना जैसी योजनाओं में भी साधना जी ने शिवराज जी का पूरा साथ दिया।

शिवराज जी खुद कहते हैं, ÷मेरी सफलता के पीछे मेरी पत्नी का बड़ा हाथ है। उन्होंने हर मुश्किल में मेरा साथ दिया और मुझे आगे बढ़ने की ताकत दी।÷33 साल बाद भी दोनों की जोड़ी प्यार, भरोसे और साथ निभाने की मिसाल है।

जन्म दिवस :11 जून 1897

काकोरी कांड के नायक पं. रामप्रसाद बिस्मिल

पंडित रामप्रसाद का जन्म 11 जून, 1897 को शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था। इनके पिता श्री मुरलीधर शाहजहाँपुर नगरपालिका में कर्मचारी थे; पर आगे चलकर उन्होंने नौकरी छोड़कर निजी व्यापार शुरू कर दिया। रामप्रसाद जी बचपन से महर्षि दयानन्द तथा आर्य समाज से बहुत प्रभावित थे। शिक्षा के साथ साथ वे यज्ञ, सन्ध्या वन्दन, प्रार्थना आदि भी नियमित रूप से करते थे।

स्वामी दयानन्द द्वारा विरचित ग्रन्थ 'सत्यार्थ प्रकाश' पढ़कर उनके मन में देश और धर्म के लिए कुछ करने की प्रेरणा जगी। इसी बीच शाहजहाँपुर आर्य समाज में स्वास्थ्य लाभ करने के लिए स्वामी सोमदेव नामक एक संन्यासी आये। युवक रामप्रसाद ने बड़ी लगन से उनकी सेवा की। उनके साथ वार्तालाप में रामप्रसाद को अनेक विषयों में वैचारिक स्पष्टता प्राप्त हुई। रामप्रसाद जी 'बिस्मिल' उपनाम से हिन्दी तथा उर्दू में कविता भी लिखते थे।

1916 में भाई परमानन्द को 'लाहौर षड्यन्त्र केस' में फाँसी की सजा घोषित हुई। बाद में उसे आजीवन कारावास में बदलकर उन्हें कालेपानी (अन्दमान) भेज दिया गया। इस घटना को सुनकर रामप्रसाद बिस्मिल ने प्रतिज्ञा कर ली कि वे ब्रिटिश शासन से इस अन्याय का बदला अवश्य लेंगे। इसके बाद वे अपने जैसे विचार वाले लोगों की तलाश में जुट गये।

लखनऊ में उनका सम्पर्क क्रान्तिकारियों से हुआ। मैनपुरी को केन्द्र बनाकर उन्होंने प्रख्यात क्रान्तिकारी गेंदालाल दीक्षित के साथ गतिविधियाँ शुरू कीं। जब पुलिस ने पकड़ धकड़ शुरू की, तो वे फरार हो गये। कुछ समय बाद शासन ने वारंट वापस ले लिया। अतः ये घर आकर रेशम का व्यापार करने लगे; पर इनका मन तो कहीं और लगा था। उनकी दिलेरी,सूझबूझ देखकर क्रान्तिकारी दल ने उन्हें अपने कार्यदल का प्रमुख बना दिया।

क्रान्तिकारी दल को शस्त्रास्त्र मँगाने तथा अपनी गतिविधियों के संचालन के लिए पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ती थी। अतः बिस्मिल जी ने ब्रिटिश खजाना लूटने का सुझाव रखा। यह बहुत खतरनाक काम था; पर जो डर जाये, वह क्रान्तिकारी ही कैसा ? पूरी योजना बना ली गयी और इसके लिए नौ अगस्त, 1925 की तिथि निश्चित हुई।

क्रान्तिकारी दल को शस्त्रास्त्र मँगाने तथा अपनी गतिविधियों के संचालन के लिए पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ती थी। अतः बिस्मिल जी ने ब्रिटिश खजाना लूटने का सुझाव रखा। यह बहुत खतरनाक काम था; पर जो डर जाये, वह क्रान्तिकारी ही कैसा ? पूरी योजना बना ली गयी और इसके लिए नौ अगस्त, 1925 की तिथि निश्चित हुई।

निर्धारित तिथि पर दस विश्वस्त साथियों के साथ पंडित रामप्रसाद बिस्मिल ने लखनऊ से खजाना लेकर जाने वाली रेल को काकोरी स्टेशन से पूर्व दशहरी गाँव के पास चेन खींचकर रोक लिया। गाड़ी रुकते ही सभी साथी अपने-अपने काम में लग गये। रेल के चालक तथा गार्ड को पिस्तौल दिखाकर चुप करा दिया गया। सभी यात्रियों को भी गोली चलाकर अन्दर ही रहने को बाध्य किया गया। कुछ साथियों ने खजाने वाले बक्से को घन और हथौड़ों से तोड़ दिया और उसमें रखा सरकारी खजाना लेकर सब फरार हो गये।

परन्तु आगे चलकर चन्द्रशेखर आजाद को छोड़कर इस कांड के सभी क्रान्तिकारी पकड़े गये। इनमें से रामप्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खाँ तथा राजेन्द्र लाहिड़ी को फाँसी की सजा सुनायी गयी। रामप्रसाद जी को गोरखपुर जेल में बन्द कर दिया गया। वे वहाँ फाँसी वाले दिन तक मस्त रहे। अपना नित्य का व्यायाम, पूजा, सन्ध्या वन्दन उन्होंने कभी नहीं छोड़ा। 19 दिसम्बर, 1927 को बिस्मिल को गोरखपुर, अशफाक उल्ला को फैजाबाद तथा रोशन सिंह को प्रयाग में फाँसी दे दी गयी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

जिला पंचायत जनपद पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत चौपरा में पुरानी बाबड़ी का किया निरीक्षण

दमोह। जिला पंचायत सीईओ प्रवीण फुलपगारे, जनपद पंचायत सीईओ डॉ. रामेश्वर पटेल ने जबेरा जनपद पंचायत कि ग्राम पंचायत चौपरा में पुरानी बाबड़ी (प्राचीन) का निरीक्षण किया। इस संबंध में बताया गया कि 200- 300 साल पुरानी बावड़ी का अधिकारियो द्वारा निरीक्षण किया गया है, जिसका जल गंगा संवर्धन अभियान द्वारा सफाई एवं नवीनीकरण का कार्य किया गया है, बाबड़ी में अभी 10 फुट पानी भरा हुआ है, जो गर्मी में खाली नहीं होता है और चौपरा की आधी आबादी को गर्मी के दिनों में पानी मिलता रहता है, जीर्ण-शीर्ण बाबड़ी का नवीनीकरण एवं सुधार कार्य किया गया। साथ में सहायक यंत्री शिवाजी गौड़, सब - इंजीनियर आर.के जैन, नीतेश असाटी, पावस सोनकर, सुरेश कुमार प्रजापति, राजकरण वर्मा, देवेन्द्र ठाकुर आदि रहे उपस्थित।

नगरपालिका परिषद मंडला के 19 बीपीएल कार्डधारी अपात्र

मंडला। अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व मंडला से प्राप्त जानकारी के अनुसार गठित जांच दल द्वारा कार्यालय नगरपालिका परिषद मंडला से प्राप्त शहीद उदयचंद वार्ड, श्रीराम वार्ड, लाल बहादुरशास्त्री वार्ड तथा दादा धनीराम वार्ड के कुल 19 अपात्र लोगों के बीपीएल कार्ड को निरस्त करने के लिए सूची प्राप्त हुई जिसके अनुसार विधिवत प्रकरण पंजीबद्ध कर सुनवाई की गई। इसके उपरांत संबंधित बीपीएल धारकों के कार्ड को अपात्र किया गया।

शहर में गंदे पानी की जलापूर्ति स्वास्थ्य पर डाल रही बुरा प्रभाव

सिवनी- नगरपालिका परिषद में कार्यकारी अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया गंदे पानी की जलापूर्ति करा रहे है यह बात उन्होंने खुद स्वीकार की है। नगरपालिका परिषद के विशेष सम्मिलन दिनांक 11/06/2025 प्रस्ताव क्रमांक 01 में उन्होंने स्पष्ट किया है कि पेयजल शुद्धीकरण में केमिकल्स(एलम ब्लीचिंग) के आभाव में पेयजल असुद्ध प्रदाय होने के कारण जल स्वास्थ्य में बुरा असर होने की संभावनाओं को देखते हुए, सप्लायर को काली सूची में डालने और अमानत राशि राजसात करने विचार एवं निर्णय। यह आरोप कुछ दिन पूर्व कांग्रेस पार्षद दल ने लगाया था, सिवनी नगरपालिका गंदा पानी देकर लोगो के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है, पानी शुद्धीकरण के लिए यदि केमिकल्स बराबर मात्रा में नही डाले जायेंगे तो गंदा पानी ही लोगो तक पंहुचेगा, पूर्व में इसी ठेकेदार द्वारा ब्लीचिंग एलम की सप्लाई पर्याप्त मात्रा में की गई, ऐसा क्या कारण है कि ज्ञानचंद सनोडिया के कार्यकारी अध्यक्ष बनते ही ठेकेदार द्वारा ब्लीचिंग एलम की सप्लाई नही दी जा रही है। यही हाल विधुत समाग्री का है अनेक स्थानों के स्ट्रीट लाईन बंद पडी है पार्षदो द्वारा शिकायत करने पर संबंधितो से एक ही जवाब मिलता है विधुत समाग्री नहीं है। विधुत समाग्री क्यो क्रय नही की जा रही है यह भी एक विचारणीय प्रश्न है।

अतिक्रमण पर ठोस कार्यवाही की जरूरत कलेक्टर के आदेश के बाद

एसडीएम उतरे सड़क पर

बैरसिया। बैरसिया में जहां देखो वहां अतिक्रमणकारियों ने सरकारी विभाग हो या मुख्य सड़क दोनों पर अपना कब्जा जमा रखा है। वही नगर में सब्जी बाजार के लिए स्थाई जगह होने पर भी सब्जी ठेले वालों द्वारा स्थाई जगह पर न लगाकर मुख्य सड़क पर ही ठेले को लगाकर सब्जियां बेची जाती हैं जिससे आने-जाने वाले वाहनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जिसको लेकर मंगलवार को एसडीएम को सड़क पर उतरकर ठेले वालों को समझाइस दी और उनसे कहा गया कि दी गई जगह पर अपने ठेलों को लगाये नहीं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी एसडीएम शर्मा ने दो टूक कहा कि हमने आपके लिए पूर्व में ही तीन स्थान निर्धारित कर दिए हैं–पानी की टंकी के पास अदालत के सामने का स्थान, पुराना सब्जी मार्केट, और तरावली गेट के पास स्थित मार्केट। अब इसके बावजूद यदि कोई मुख्य मार्ग या अस्पताल रोड पर ठेला या दुकान लगाता है, तो उसके विरुद्ध कल से ही कठोर कार्रवाई की जाएगी। नगर में अतिक्रमण के चलते आए दिन ट्रैफिक जाम जैसी स्थिति बनी रहती है सड़कों पर ही लग रही दुकानों से अव्यवस्था फैल रही है लोगों ने

मेट्रो ट्रेन के अंडरग्राउंड रूट का काम एयरपोर्ट और एमजी रोड दोनों तरफ से शुरू होगा

इंदौर। ऱ्इंदौर मेट्रो के 6 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो के संचालन का फायदा यह हुआ कि अब बचे हुए रुट पर काम तेजी से पूरा करने का दबाव मेट्रो कॉर्पोरेशन पर आ गया। जो जनप्रतिनिधि अभी तक अंडरग्राउंड रूट को लेकर विरोध कर रहे थे, उन्हें भी अब चुप बैठना पड़ेगा। क्योंकि, उन्हीं के कारण लगभग सालभर अंडरग्राउंड का काम पिछड़ा है। जबकि, मेट्रो कॉर्पोरेशन ने कुछ समय पहले 2191 करोड़ में निजी कंपनी को इसका ठेका दे दिया।

कंपनी ने एयरपोर्ट की तरफ से काम की तैयारी शुरू कर डी। अब एमजी रोड पर भी निशान लगाए जा रहे हैं। मंगलवार सुबह मेट्रो के अधिकारी रीगल तिराहा पहुंचे और वहां स्थित रानी सराय पुलिस मुख्यालय का भी अवलोकन किया। मेट्रो के लिए रानी सराय की जमीन भी ली जा रही है, जहां पर स्टेशन बनेगा।

प्रधानमंत्री ने 31 मई।को इंदौर मेट्रो के यात्री संचालन का वर्चुअली लोकार्पण किया। जो नेता मेट्रो के रुट को लेकर विरोध करते रहे, वे भी इस लोकार्पण समारोह में सबसे अधिक सक्रिय नजर आए। बड़ी संख्या में पहले दिन महिलाओं को भी यात्रा कराई गई। उसके साथ ही इस बात का भी दबाव बढ़ा कि एलिवेटेड के साथ-साथ अंडरग्राउंड

रूट पर भी काम शुरू किया जाए।

मेट्रो कॉर्पोरेशन ने केन्द्र सरकार की मंजूरी के साथ एमजी रोड से मेट्रो को अंडरग्राउंड करने की योजना बनाई और हाईकोर्ट परिसर की जगह भी ली जा रही है। जहां से अंडरग्राउंड का काम शुरू होगा और उसके बाद रानी सराय, रीगल पर मेट्रो का अंडरग्राउंड स्टेशन बनना है। वहां से राजवाड़ा, बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर होते हुए एयरपोर्ट तक लगभग 9 किलोमीटर का अंडरग्राउंड रूट रहेगा।

मंगलवार सुबह मेट्रो के अधिकारियों ने एमरी रोड का भ्रमण किया। रीगल तिराहा, रानी सराय भी पहुंचे और निशान भी लगवाए जा रहे हैं, वहीं इसके पूर्व एयरपोर्ट की तरफ भी बैरिकेडिंग करते हुए अंडरग्राउंड रूट का काम शुरू करने की तैयारी की जा रही है। क्योंकि, अभी जिस गांधी नगर स्टेशन से मेट्रो का संचालन शुरू किया है उसके आगे से एयरपोर्ट तक अंडरग्राउंड रूट बनना है।

यह मांग भी अब तेज हो गई कि जब तक विजय नगर से एयरपोर्ट को नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक मेट्रो के यात्री संचालन का फायदा नहीं मिलेगा। अभी गांधी नगर से विजय नगर तक के एलिवेटेड कॉरिडोर को इस साल के अंत तक शुरू करने के दावे भी किए गए हैं। उसी के साथ गांधी नगर से एयरपोर्ट के हिस्से को भी तैयार करने का दबाव अब मेट्रो कॉर्पोरेशन पर आ गया है।

अंडरग्राउंड रूट में बाधक बनने वाले 1240 पेड़ों को भी हटाया जाएगा। इसके लिए मेट्रो कॉर्पोरेशन ने अभी चार दिन पहले ही 12 लाख 40 हजार रुपए की राशि ऑनलाइन नगर निगम में एक हजार रुपए प्रति पेड़ के हिसाब से जमा करा दी। निगम का दावा है कि इनमें से अधिकांश पेड़ों को कटवाने की बजाय ट्रांसप्लांट करवाएंगे।

कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्यवाही, अवैध हथियार कट्टा, कारतूस लिए 3 आरोपी गिरफ्तार

दमोह पुलिस अधीक्षक दमोह द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियो को अवैध हथियारों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है जो उक्त निर्देशों के पालन में पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह एवं नगर पुलिस अधीक्षक दमोह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष कुमार के नेतृत्व में दमोह कोतवाली पुलिस द्वारा दिनांक 08.06.2025 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर तीन आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार पिस्टल, कट्टा, कारतूस एवं एक स्कूटी जप्त की गयी। आरोपियो के विरुद्ध अप.क्र 422/2025 धारा 25 (1) (ए), 27 आर्म्स एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान धारा 29 आर्म्स एक्ट, 111 बीएनएस का इजाफा किया गया उक्त प्रकरण में 03 आरोपी 1. शेख साजिद उर्फ नवाव 2. कार्तिक राजपूत 3. दीपक उर्फ डल्लू चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया जिन्हे माननीय न्यायालय पेश कर पी. आर. प्राप्त किया गया है जिनसे पूंछताछ जारी है। आरोपी साजिद उर्फ नवाव पिता शेख हमीद उक्त अपराध का मास्टर माईड है जिसके विरूद्ध पूर्व से अवैध हथियार, मारपीट, सट्टा, बलबा, हत्या का प्रयास, शराब तस्करी, एससीएसटी एक्ट के कुल 14 अपराध पंजीबद्ध है एवं पूर्व मे आरोपी साजिद के विरूद्ध विभिन्न प्रतिवधात्मक कार्यवाही भी की गयी है।

इस बड़ी कार्वाई में निरीक्षक मनीष कुमार, सउनि अलजार सिंह, प्र.आर. 195 सूर्यकांत पाण्डेय, प्र.आर. 422 अजीत दुबे, प्र.आर. 96 प्रमोद चौबे, प्र.आर. 280- राकेश अठ्?या आर. 260 बृजेन्द्र मिश्रा, आर. 228 नरेन्द्र पटेरिया, आर. 161 ललित हजारी, आर. 06 आकाश पाठक म.आर. 164 आरती राय, म.आर. 684 संगीता।

भारतीय किसान संघ के कृषको ने एसडीएम को अपनी मांगों का दिया ज्ञापन

औबेदुल्लागंज (संवाददाता) तहसील गोहरगंज क्षेत्र के भारतीय किसान संघ के किसानों ने मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी गोहरगंज चन्द्रशेखर श्रीवास्तव को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम से अपनी मांगों का ज्ञापन दिया है द्य

ज्ञापन में किसानों ने कहा है कि मूंग की फसल तैयार हो गई है लेकिन प्रशासन द्वारा समर्थन मूल्य की खरीदी की किसी प्रकार की घोषणा अभी तक नहीं की गई है,, अत ऱ्शीघ्र ही द्वद्यश्च पर मूंग की खरीदी की जाए,,खरीफ फसल की बोनी करीब है,, लेकिन किसानों को डीएसपी यूरिया खाद नहीं मिल रहा है,,वहीं बिजली विभाग द्वारा अघोषित कटौती बंद की जाए,, सही वोल्टेज के साथ 10 घंटे किसानों को बिजली अवश्य मिले, बिजली के खंबे और बिजली के तारों की मरम्मत भी की जाए,, वही आर आई एवं पटवारीयो द्वारा किसानो के आवेदनो पर सीमांकन समय पर पूर्ण किये जाये !

ग्राम सियाकुंण्डल से दुमेल मंदिर तक पक्की सड़क निर्माण की जाए,, ग्राम देहरी के खेड़ापति मंदिर से सलकनी

तक पक्की सड़क निर्माण करवाई जाए,,

ज्ञापन देने बालों मे किसान संघ गोहरगंज जिला रायसेन के तहसील अध्यक्ष फतेहसिंह पटेल ग्राम सियाकुंडल,,तहसील मंत्री प्रदीप कुमार सलकानी,, किसान संघ के जिला कार्यकारिणी सदस्य रघुवीर पटेल उमराव गंज,,पूर्व तहसील अध्यक्ष मोहन सिंह अमोदा एवं किसान ग्राम इकाई सदस्य जगन्नाथ सिंह लोधी सियाकुंडल,, नेतराम लोबंशी, करतार सिंह सलकनी, पुरुषोत्तम लोधी चिरोलिया,, कृष्णा लोबंसी हाजली आदि सहित बडी संख्या मे किसान उपस्थित थे !

प्रो. अज़हर हाशमी का निधन प्रदेश और रतलाम की अपूरणीय क्षति

रतलाम। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने रतलाम के प्रसिद्ध चिंतक, लेखक, कवि, ज्योतिषि और साहित्यकार प्रोफेसर अज़हर हाशमी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री काश्यप ने कहा कि साहित्य मनीषी, हिन्दी के साहित्यकार, मालवा के गौरव, प्रो. अज़हर हाशमी के अवसान के साथ साहित्य जगत के एक युग का अंत हो गया। हाशमी जी से रतलाम की पहचान थी। उनकी रचनाओं को पूरे देश ने सम्मान प्रदान किया। कवि सम्मेलनों के सफल संचालन से लेकर कई पीढ़ियों के रचनाकारों के साथ कविता पाठ का गौरव उन्हें हासिल था। हर धर्म के नीति सिद्धांत उनकी जुबान पर थे। प्रोफेसर हाशमी का निधन रतलाम ही नहीं मध्यप्रदेश की अपूरणीय क्षति है।

प्रोफेसर हाशमी पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और रतलाम के एक निजी चिकित्सालय में उनका उपचार किया जा रहा था। मंगलवार शाम को उन्होंने अंतिम सांस ली। प्रोफेसर हाशमी की पार्थिव देह को अंतिम दर्शन के लिए इंदिरा नगर स्थित उनके निवास पर रखा गया, जहां भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, महापौर प्रह्लाद पटेल, कामरेड अश्विनी शर्मा, भाजपा नेता पवन सोमानी, अंजुमन सदर इब्राहिम सैलानी, लेखिका प्रवीणा दवेसर, श्वेता नागर, प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश गोस्वामी, पत्रकार तुषार कोठारी, आरिफ कुरैशी, अदिति मिश्र, मुबारिक शेरानी, भारत गुप्ता, मणिलाल जैन, भाजपा नेता मनोहर पोरवाल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र कटारिया, साहित्यकार प्रदीप सिंह राव सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी और नागरिकों ने उनके निवास स्थान पहुंच कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उनकी पार्थिव देह उनके पैतृक गांव पिड़ावा जिला झालावाड़ (राजस्थान) ले जाई गई।

साहित्यकार प्रो. अजहर हाशमी का जाना साहित्य जगत को बड़ी क्षति

वरिष्ठ पत्रकार आरिफ कुरैशी ने बताया कि प्रसिद्ध साहित्यकार, चिंतक, कवि, व्यंगकार व गीतकार प्रोफेसर अजहर हाशमी साहित्य की दुनिया में एक बड़ा नाम है। वे ज्ञान के भंडार थे। उनके पास शब्दों का खजाना था। हर विषय और हर शख्सियत पर लिखने के लिए उन्हें महारथ हासिल थी। किसी भी विषय व शख्सियत पर जब वे लिखते हैं, तो पढ़ने वाला पढ़ता ही रह जाता है। प्रो हाशमी अच्छे कवि, लेखक, गीतकार, व्यंग्यकार होने के साथ ओजस्वी वक्ता, संत परंपरा के वाहक, प्रखर लेखक व प्रवचनकार है।

पत्रकार गोवर्धन कुशवाहा को जान से मारने की धमकी- कोतवाली थाना मंडला में दर्ज कराई शिकायत

मंडला। पत्रकारिता के माध्यम से जनहित के मुद्दों को उजागर करने वाले पत्रकार गोवर्धन कुशवाहा ने कोतवाली थाना मंडला में लिखित शिकायत देकर अपनी जान को खतरा बताया है।उन्होंने आरोप लगाया है कि एक जमीन से जुड़ी खबर प्रकाशित करने के बाद उन्हें गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी दी गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार गोवर्धन कुशवाहा ने विकासखण्ड घुघरी की ग्राम पंचायत घुघरी में स्थित कांजी हाउस की जमीन संबंधी मुद्दे पर विगत 07 जून को एक समाचार प्रकाशित किया था। इस खबर के सामने आने के बाद स्थानीय निवासी सुनील अग्रवाल और आशीष अग्रवाल द्वारा उन पर खबर हटाने का दबाव बनाया गया।गोवर्धन ने अपने आवेदन में बताया कि खबर ना हटाने पर पहले उन्हें फोन किया गया और बाद में फोन पर गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई।यह वारदात रात करीब 8ऱ30 बजे की है।उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान धमकी देने वालों का व्यवहार बेहद आपत्तिजनक और डराने वाला था,जिससे वे मानसिक रूप से काफी भयभीत हैं।पत्रकार ने मांग की है कि यदि भविष्य में उनके साथ कोई भी अप्रिय घटना घटती है,तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी उक्त दोनों आरोपियों की होगी।उन्होंने प्रशासन से इस मामले को गंभीरता से लेकर तत्काल उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।पत्रकारों से जुड़ी घटनाओं में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए इस शिकायत को मंडला पत्रकारिता जगत में गंभीरता से लिया जा रहा है।जिले के अन्य पत्रकारों ने भी प्रशासन से मांग की है कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

इनका कहना है

01-प्रकरण की शिकायत प्राप्त हुई है।मामले की जांच की जा रही है, और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर उचित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पत्रकारों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

शफीक खान,
थाना प्रभारी कोतवाली मंडला

मप्र राज्य कर्मचारी संघ के चुनाव संपन्न,महेंद्रसिंह बने तहसील अध्यक्ष

आष्टा। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आष्टा में आज मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के चुनाव संपन्न हुए। संघ के जिला अध्यक्ष एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुंदन राय की उपस्थिति में सम्पन्न हुए। चुनाव में सर्वसम्मति से तहसील इकाई आष्टा के अध्यक्ष पद पर महेंद्र सिंह मालवीय बाबूजी को नियुक्त किया गया एवं ब्लॉक इकाई आष्टा के अध्यक्ष भगवान सिंह राजपूत, ब्लॉक सचिव मनीष चौरसिया, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश नागलिया, केदारसिंह परमार, कृष्ण कुमार सोनी, गोविंद शर्मा, पुरुषोत्तम मंडलोई,जितेंद्र गुठानिया,ओम प्रकाश परसाई, ज्ञानसिंह मेवाडा, राधेश्याम जलवाया, प्रमोद कनवदिया, मनोज कुमार बागडे, सतीश पांडे, मोहन श्रीवास्तव, डालूराम कौशल्या, राजेश कुमार शर्मा, राकेश पटवारी, आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार, नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ)वृत्त, भोपाल
(पुरानी जिला पंचायत भवन, कोहेफिजा जिला भोपाल)
रा.प्र.क्र. 581 /अ-6/2024-25

सार्वजनिक नोटिस

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जावेद खान/ अब्दुल रज्जाक निवासी - भोपाल ने नामांतरण करने विषयक आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम- नेवरी तहसील हुजूर जिला भोपाल स्थित भूमि खसरा क्रमांक 82/2/1/1 रकबा 0.7490 हे. भूमि का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उपरोक्त प्रश्नाधीन भूमि के संबंध में विधिक कार्यवाही किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो, तो दिनांक 18.06.2025 के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों, या वैध प्रतिनिधि के द्वारा मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बीत जाने के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार
नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ)वृत्त, भोपाल

हाईटेक इनडोर स्टेडियम, खिलाड़ियों को मिलेगा आधुनिक प्रशिक्षण का लाभ

भिंड। जिले के महर्षि अरविंद महाविद्यालय में नया इनडोर स्टेडियम बनाया जाएगा, जिसकी डीपीआर तैयार कर टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। इस स्टेडियम में खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं और प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे स्थानीय खेल प्रतिभाओं को उभरने का अवसर मिलेगा।

मध्य प्रदेश में विकास की रफ्तार लगातार तेज हो रही है। सड़कों, रेलवे और शहरी बुनियादी ढांचे के साथ-साथ अब राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार पर भी ध्यान दे रही है। इसी दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है भिंड जिले में, जहां अब एक नया इनडोर स्टेडियम बनाने की योजना पर तेजी से काम शुरू होने जा रहा है।

भिंड के महर्षि अरविंद महाविद्यालय में इनडोर स्टेडियम के निर्माण को लेकर उच्च शिक्षा विभाग की ओर से स्वीकृति मिल चुकी है। यह कदम जिले में खेल विकास की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फिलहाल कॉलेज में करीब 1300 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, लेकिन यहां अभी तक इनडोर खेलों के लिए कोई समुचित सुविधा नहीं है। ऐसे में यह स्टेडियम आने वाले समय में विद्यार्थियों और खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरेगा।

डीपीआर की तैयारी शुरू, जल्द पास होगा टेंडर

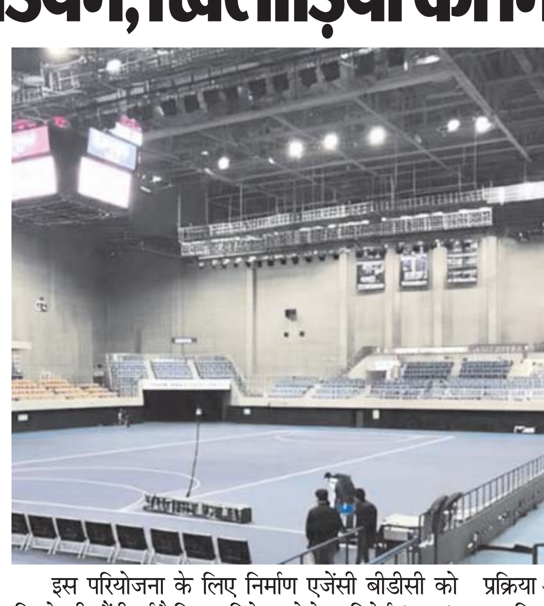

इस परियोजना के लिए निर्माण एजेंसी बीडीसी को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (ष्ठक्क्र) तैयार करे। डीपीआर तैयार होते ही इस परियोजना के लिए टेंडर प्रक्रिया आरंभ कर दी जाएगी। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को लंबे समय से प्रतीक्षित सुविधा का लाभ मिलेगा।

खिलाड़ियों को मिलेगी ये सुविधाएं

यह इनडोर स्टेडियम न केवल खेल गतिविधियों के लिए होगा, बल्कि इसमें खिलाड़ियों के संपूर्ण प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की जाएगी। प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी ताकि युवाओं को खेल की तकनीकी जानकारी और अभ्यास का अवसर मिल सके। यहां बास्केटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल जैसे खेलों के लिए भी विशेष प्रबंध किए जाएंगे। साथ ही, गर्मी और सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए स्टेडियम में वातानुकूलन और ताप नियंत्रण जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

भिंड जिले में इनडोर स्टेडियम का निर्माण न केवल खेल प्रतिभाओं को निखारने का अवसर देगा, बल्कि यह क्षेत्रीय विकास में भी योगदान देगा। युवाओं को अब खेलों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, बल्कि उन्हें अपने ही जिले में उचित माहौल और संसाधन मिलेंगे।

न्यायालय तहसीलदार नजूल वृत्त एम.पी.नगर भोपाल म.प्र.
(7 नंबर बस स्टाप शिवाजी नगर भोपाल)
प्रकरण क्रमांक 061/अ-6/2025-26

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सुषमा रोहित पत्नि स्व. श्री सुधीर कुमार रोहित निवासी- भोपाल द्वारा ग्राम खजूरी कला तहसील हुजूर जिला भोपाल स्थित भूमि खसरा क्रमांक 71/2/1, 71/2/2, 85/2 रकवा 430 वर्गफुट जिसका प्लाट क्रमांक 104 ए अमृतपुरी गृह नि. है का नामांतरण किये जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। आवेदित भूमि में विक्रेता कैलाश बाध आ. श्री पंडितराव बाध है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस इश्तहार जारी होने के 07 दिवस के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
एम.पी.नगर वृत्त, भोपाल

तानाशाही बनाम सनक, ट्रम्प की टेक युद्ध नीति

आज, दुनिया भर में लोग डोनाल्ड ट्रम्प को पागल कह रहे हैं। लेकिन क्या वह वाकई पागल हैं? क्यों वह टेक जगत के दिग्गजों–मेटा, टेस्ला, गूगल, और अमेज़न–के खिलाफ तलवार उठा रहे हैं? क्यों वह अनधिकृत प्रवासियों को निशाना बना रहे हैं? क्यों वह एक ऐसी छवि बना रहे हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रपतियों की परंपरागत छवि से बिल्कुल अलग है? क्या वह मूर्ख हैं, या शायद एक चतुर राजनेता, जो व्यवस्था को साफ करने, वोट जीतने, या असंभव को संभव करने के लिए सनक का सहारा ले रहे हैं? इतिहास गवाह है कि कभी-कभी असाधारण बदलाव के लिए पागलपन जरूरी है।

याद कीजिए 20 जनवरी 2025 का दिन, जब वाशिंगटन डीसी में डोनाल्ड ट्रम्प ने 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उनके सामने, उद्घाटन समारोह की पहली पंक्ति में, टेक जगत के सम्राट बैठे थे–एलन मस्क (टेस्ला और एक्स), मार्क ज़ुकरबर्ग (मेटा), जेफ बेजोस (अमेज़न), टिम कुक (एप्पल), और सुंदर पिचाई (गूगल)। इन अरबपतियों ने ट्रम्प के 2024 अभियान और उद्घाटन के लिए लाखों-करोड़ों डॉलर बरसाए थे। मस्क ने 250 मिलियन डॉलर का दान दिया, ज़ुकरबर्ग ने ट्रम्प के लिए भव्य रात्रिभोज आयोजित किया, और बेजोस, पिचाई, कुक जैसे दिग्गजों ने मार-ए-लागो में ट्रम्प की तारीफों के पुल बांधे। उनकी आँखों में उम्मीद थी–उम्मीद कि उनका धन और प्रभाव ट्रम्प को उनके अधीन कर लेगा। लेकिन शपथ के कुछ ही महीनों बाद, ट्रम्प ने इन टेक सम्राटों के खिलाफ तलवार उठा ली–टैरिफ, फंडिंग कटौती, और मेटा के खिलाफ एक ऐतिहासिक एंटीट्रस्ट मुकदमा। उपराष्ट्रपति जेडी वैन्स ने इसे समर्थन दिया, यह कहते हुए कि टेक कंपनियों की अनियंत्रित शक्ति लोकतंत्र को निगल रही है।

इतिहास गवाह है कि हर युग में तानाशाही नए रूप में जन्म लेती है। कभी यह राजा-महाराजा थे, कभी साम्राज्यवादी शक्तियां, और कभी विचारधाराओं के नाम पर सत्ताएं। 21वीं सदी में, तानाशाही का नया चेहरा हैं टेक कंपनियां। मेटा, गूगल, अमेज़न, और एक्स जैसी कंपनियां केवल व्यवसाय नहीं हैं; वे सूचना, विचार, और मानव चेतना के नियंत्रक हैं। वे तय करती हैं कि दुनिया क्या देखे, क्या सुने, और क्या सोचे। उनके पास डेटा का वह अथाह भंडार है, जो किसी भी सरकार से अधिक शक्तिशाली है।

इन टेक सम्राटों ने ट्रम्प के उद्घाटन में करोड़ों डॉलर इसलिए नहीं दिए कि वे उनके प्रशंसक थे। वे एक सौदा चाहते थे–उनका धन और प्रभाव ट्रम्प को उनके अधीन कर ले। वे चाहते थे कि ट्रम्प उनकी कंपनियों पर नियामक जांच को कम करे, एंटीट्रस्ट मुकदमों को दबाए, और उनके लिए अनुकूल नीतियां बनाए। यह मानव स्वभाव की पुरानी कमजोरी थी–धन से शक्ति खरीदने की कोशिश। लेकिन ट्रम्प ने इस सौदे को ठुकरा दिया। क्यों? क्या यह मूर्खता थी, या कुछ और? इतिहास बताता है कि सबसे ताकतवर शक्तियों को चुनौती देने के लिए सनक चाहिए। रोम के सम्राटों के खिलाफ स्पार्टकस का विद्रोह, फ्रांसीसी क्रांति, या गांधी का ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ सत्याग्रह–ये सभी पागलपन के कृत्य थे। कोई समझदार व्यक्ति इतनी विशाल शक्ति से नहीं टकराता। लेकिन ट्रम्प, जिन्हें दुनिया एक अप्रत्याशित और अस्थिर नेता मानती है, शायद इसी सनक से प्रेरित हैं।

ट्रम्प के पास वह है, जो टेक कंपनियों के पास नहीं–मानव की वह प्राचीन भावना, जो तानाशाहों से घृणा करती है। अमेरिकी जनता, और शायद पूरी दुनिया, टेक कंपनियों की बढ़ती शक्ति से असहज है। 2025 के प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वेक्षण दिखाते हैं कि 70त्न से अधिक अमेरिकी मानते हैं कि टेक कंपनियां बहुत शक्तिशाली हैं। लोग उनकी सेंसरशिप से तंग हैं, उनके डेटा चोरी से डरे हुए हैं, और उनकी एकाधिकारवादी नीतियों से क्रुद्ध हैं।

यह गुस्सा केवल टेक कंपनियों तक सीमित नहीं है। अमेरिका में अनधिकृत प्रवासियों को लेकर भी यही भावना है। स्थानीय लोग महसूस करते हैं कि उनकी नौकरियां, उनके संसाधन, और उनकी सांस्कृतिक पहचान खतरे में है। भारत में, यूरोप में, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी यही डर है–बाहरी लोग ÷हमारी जगह÷ ले रहे हैं। पिछले 10-15 सालों में नफरत अपराधों की बढ़ती घटनाएं–चाहे वह ऑस्ट्रेलिया में हो या न्यूजीलैंड में–इस डर का प्रतीक हैं। ट्रम्प ने इस वैश्विक असंतोष को पहचाना। वह टेक तानाशाहों और अनधिकृत प्रवासियों, दोनों को निशाना बनाकर, खुद को उस विद्रोही के रूप में पेश कर रहे हैं, जो जनता की आवाज बन रहा है। नीत्शे ने कहा था कि जो लोग दुनिया को बदलते हैं, वे अक्सर पागल कहलाते हैं। ट्रम्प का टेक दिग्गजों और प्रवासियों के खिलाफ जाना एक ऐसा ही पागलपन है। वह एक ऐसी छवि बना रहे हैं, जो किसी भी पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति से अलग है–न तो परंपरागत, न ही राजनयिक। वह जानते हैं कि लोग व्यवस्था से तंग आ चुके हैं। टेक कंपनियां, जो सूचना और शक्ति का एक केंद्र बन गई हैं, और अनधिकृत प्रवासी, जो सांस्कृतिक और आर्थिक स्थिरता को चुनौती दे रहे हैं, दोनों ही इस व्यवस्था के प्रतीक हैं।

ट्रम्प का दर्शन या कहिए पागलपन जोखिम भरा है। यह अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर सकता है, सामाजिक तनाव बढ़ा सकता है, और ट्रम्प को उनके सबसे बड़े समर्थकों से अलग कर सकता है। लेकिन ट्रम्प शायद मानते हैं कि यह सनक ही उन्हें इतिहास में अमर कर देगी लेकिन इस कहानी का अंत अभी अनिश्चित है। क्या ट्रम्प की सनक टेक तानाशाहों को झुका देगी, और प्रवास के सवाल को हल कर देगी? या उनके ये कदम सामाजिक और आर्थिक अस्थिरता को जन्म देंगे? क्या यह मानवता की जीत होगी, या केवल शक्ति का एक और खेल? एक बात निश्चित है–यह गाथा वाशिंगटन की गलियों, सिलिकॉन वैली के गलियारों, और विश्व भर के उन समाजों में गूंजती रहेगी, जहां लोग अपनी जगह, अपनी पहचान, और अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे हैं। यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जिसने सनक को हथियार बनाया, और यह एक ऐसी कहानी है, जो हमेशा तानाशाही के खिलाफ उठ खड़ी होती है।

नई कीमतों के बाद सोने के दाम 98000 और चांदी के भाव 1 लाख पर ट्रेंड कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। आज ज्येष्ठ पूर्णिमा के मौके पर सोना या चांदी खरीदने की सोच रहे है तो पहले बुधवार का ताजा भाव जान लीजिए। आज 11 जून सोने के दाम में 820 प्रति 10 ग्राम का उछाल आया है लेकिन चांदी की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। नई कीमतों के बाद सोने के दाम 98000 और चांदी के भाव 1 लाख पर ट्रेंड कर रहे है। आज बुधवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 11 जून 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 90,350 , 24 कैरेट का भाव 98, 550 और 18 ग्राम सोने का रेट 73,930 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1, 09, 000 हजार रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 73 930 रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 73, 800 रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 73, 840 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 74, 150 रुपये पर ट्रेड कर रही है। 22 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 90, 250 रुपये। जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 90,350 रुपये। हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 90, 200 रुपये ट्रेंड कर रहा है। 24 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 98,450 रुपये दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 99 320/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 99, 170/- रुपये। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 99,170/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है।

नगरीय निकायों को कम्प्यूटरीकृत करने पहल

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को कम्प्यूटरीकृत करने के लिये केन्द्रीकृत वेब आधारित ई-नगरपालिका 2.0 योजना प्रारंभ की है। यह योजना डिजिटल इण्डिया के उद्देश्य को बढ़ावा देने तथा पारदर्शी और त्वरित नागरिक सेवा देने के उद्देश्य से लागू की गयी है।

MSME विभाग में 15 नरूके तबादले, अतुल वाजपेई बने रतलाम और मंगल रेकवाल बने मंदसौर के GM

भोपाल। राज्य शासन ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग में महाप्रबंधक स्तर के 15 अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। अतुल वाजपेई को रतलाम का और मंगल रैकवाल को मंदसौर का महाप्रबंधक बनाया गया है।

क्रमांक एफ 1/1/4/0002/2025/बी-65 – राज्य शासन एतद् द्वारा निम्नांकित अधिकारियों को प्रशासकीय आधार पर स्थानांतरण करते हुये समान सामर्थ्य में अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक उनके नाम के सम्मुख दर्शाई गई तालिका के सरल क्रमांक 4 में दर्शाये गये स्थान पर तत्काल प्रभाव से पदस्थ किया जाता है:-

क्र	अधिकारी का नाम, पदनाम एवं यूनिक एम्प्लाई कोड	वर्तमान पदस्थापना	प्रस्तावित पदस्थापना
1	2	3	4
1.	श्री अमर सिंह मोरे, प्रभारी संयुक्त संचालक एम्प्लाई कोड 190010903	जिव्याउके नीमच	संयुक्त संचालक पउका उज्जैन एवं महाप्रबंधक जिव्याउके उज्जैन का अतिरिक्त प्रभार
2.	श्री तुलसी राम रावत, प्रभारी संयुक्त संचालक एम्प्लाई कोड 220000411	जिव्याउके खण्डवा	संयुक्त संचालक, पउका सागर एवं महाप्रबंधक जिव्याउके छतरपुर का अतिरिक्त प्रभार
3.	श्री समरथ सिंह मंडलोई, महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 190010616	जिव्याउके इंदौर	प्रभारी संयुक्त संचालक, पउका, इंदौर (स्थानीय व्यवस्था)
4.	श्री स्वप्निल गर्ग, प्रभारी महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 490001093	जिव्याउके इंदौर	महाप्रबंधक, जिव्याउके इंदौर (स्थानीय व्यवस्था)
5.	श्री सुनील बाबू त्रिपाठी, महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 100000355	जिव्याउके पीथमपुर	जिव्याउके ग्वालियर एवं संयुक्त संचालक ग्वालियर का अतिरिक्त प्रभार
6.	श्री के.एस.सोलंकी, महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 300000031	जिव्याउके ग्वालियर	जिव्याउके शहडोल
7.	श्री नवीन कुशवाहा, प्रभारी महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 340014058	जिव्याउके नरसिंहपुर	जिव्याउके सिंगरौली
8.	श्रीमती मेघा सुमन, प्रभारी महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 210014599	जिव्याउके शाजापुर	जिव्याउके हरदा
9.	श्री नवीन शुक्ला, प्रभारी महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 40014599	जिव्याउके धार	जिव्याउके शाजापुर
10.	श्री कैलाश मानेकर, प्रभारी महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 051000661	जिव्याउके भोपाल	उद्योग संचालनालय (स्थानीय व्यवस्था)
11.	श्री सतेन्द्र कुमार, प्रभारी महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 52012318	जिव्याउके भोपाल	जिव्याउके भोपाल (स्थानीय व्यवस्था)
12.	श्री प्रकाश कुमार इन्दौरे, प्रभारी महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 310002134	जिव्याउके अशोकनगर	जिव्याउके नर्मदापुरम
13.	श्री अतुल वाजपेई, प्रभारी महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 010018284	जिव्याउके उज्जैन	जिव्याउके रतलाम
14.	श्री मंगल रेकवाल, प्रभारी महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 240002135	जिव्याउके देवास	जिव्याउके मंदसौर
15.	श्री आई.एच.खान, प्रभारी महाप्रबंधक एम्प्लाई कोड 052017322	जिव्याउके भोपाल	पउका भोपाल (स्थानीय व्यवस्था)

इस महीने बैंक की छुट्टियों की भरमार, निपटा ले बैंक से संबधित काम

Advertising

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर बैंक संबंधित कोई भी काम है तो फटाफट निपटा लें क्योंकि 11 से 29 जून के बीच कई दिन बैंक बंद रहने वाले है। इन अवकाशों में शनिवार (दूसरा व चौथा) और रविवार के साथ वट पूर्णिमा और गुरु अर्जुन देव शहीदी दिवस शामिल है।बैंक बंद होने से चेकबुक पासबुक समेत कई बैंकिंग संबंधित काम प्रभावित हो सकते है, हालांकि ऑनलाइन सेवाएं जारी रहेंगी। भारत में बैंक की छुट्टियों में राष्ट्रीय अवकाश (राजपत्रित अवकाश) व सरकारी अवकाश (राज्य और केंद्र दोनों) शामिल हैं। राज्य सरकार की बैंक छुट्टियां अलग अलग राज्यों में अलग-अलग होती हैं, जबकि केंद्र सरकार की बैंक छुट्टियाँ पूरे देश में एक जैसी रहती हैं।बैंक हर महीने के दूसरे व चौथे शनिवार को बंद रहते हैं। क्षेत्रीय छुट्टियां किसी विशेष राज्य या क्षेत्र से संबंधित होती हैं। एक राज्य में किसी दिन बैंक अवकाश होने का मतलब यह नहीं है कि दूसरे राज्य में भी छुट्टी होगी।

कब कब बैंक बंद रहेंगे:11 जून संत गुरु कबीर जयंती/सागा दावा शिमला (हिमाचल प्रदेश) गंगटोक (सिक्किम)। 14 जून दूसरा शनिवार देशभर15 जून- रविवार साप्ताहिक, 21 जून वट पूर्णिमा मुंबई और बेलापुर (महाराष्ट्र),22 जून रविवार साप्ताहिक अवकाश, 26 जून जम्मू-कश्मीर स्थापना दिवस जम्मू और श्रीनगर, 27 जून (शुक्रवार) ओडिशा और मणिपुर में रथ यात्रा / कांग (रथयात्रा) के कारण बैंक बंद रहेंगे। 28 जून- चौथा शनिवार देशभर 29 जून- रविवार साप्ताहिक अवकाश। 30 जून रेम्ना नी आइजोल (मिजोरम)।

दुग्ध संघों की गतिविधियों के एण्ड टू एण्ड डिजिटाइलेशन की ओर पहला कदम

भोपाल। एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल में राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) द्वारा प्रबंधन संभालने के बाद एमपीसीडीएफ द्वारा डिजिटाइलेशन की ओर कदम बढा दिए गए है। जिससे इसकी प्रमुख गतिविधियों को ऑनलाइन संपादित किया जा सकेगा। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की मदद से मध्य प्रदेश स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) ने अपनी मुख्य गतिविधियों को डिजिटल बनाने के लिए ईआरपी सिस्टम लागू कर दिया है। इसके अलावा, एनडीडीबी ने एक मोबाइल ऐप आधारित दूध संग्रहण प्रणाली विकसित की है, जिससे किसानों को दूध के सही मूल्य और समय पर भुगतान मिल सकेगा। यह ऐप ईआरपी सिस्टम से जुड़ा होगा, जिससे भुगतान प्रक्रिया तेज और पारदर्शी हो जाएगी।

यह एप स्वचालित दूध संग्रहण प्रणाली की स्थापना लागत को भी कम करेगा। इससे डेयरी संघों को आर्थिक फायदा होगा। इस मोबाइल ऐप को इंदौर दूध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा लॉन्च किया गया, जो डेयरी क्षेत्र में टेक्नोलॉजी आधारित परिवर्तन की शुरुआत का संकेत है। एमपीसीडीएफ के प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवाणी ने ने इस डिजिटल पहल को पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम बताया और कहा कि इसे अन्य दूध संघों में भी जल्द लागू किया जाएगा। यह पहल भारत के डेयरी क्षेत्र में नया मील का पत्थर साबित होगी, जिससे किसानों को सही मूल्य और समय पर भुगतान मिलेगा, और दूध संग्रहण प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित और प्रभावी बनेगी। यह डिजिटल बदलाव मध्यप्रदेश में सहकारी डेयरी क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन को सुव्यवस्थित करने, दक्षता बढ़ाने और अधिक जवाबदेही लाने में सक्षम रहेगा।

जल्द पटना से भोपल तक के लिए चलेगी वन्दे भारत एक्सप्रेस मिलेगी बेहतरीन सुविधा कम समय में सफ़र

नई दिल्ली, एजेंसी। खुशखबरी बहुत जल्द पटना से भोपल तक के लिए चलेगी वन्दे भारत एक्सप्रेस मिलेगी बेहतरीन सुविधा कम समय में सफ़र होगा पूरा रिपोर्ट की माने तो यह ट्रेन अगले 2 महीने के अन्दर शुरू हो सकती है और वहीं टूट और टाइम अभी फिक्स नहीं हुआ है लेकिन उम्मीद जताया जा रहा है की भोपाल से सतना, प्रयागराज, वाराणसी होते हुए पटना तक के लिए चलाई जा सकती है.

ताज लेकफ्रट भोपाल में 'द गोअन ओडिसी' 15 जून तक गोवा के तटीय स्वादों का उत्सव

भोपाल। ताज लेकफ्रंट भोपाल शहर के फूड लवर्स को 'द गोअन ओडिसी' के माध्यम से गोवा के सुनहरे समुद्री किनारों की ओर एक स्वाद यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार है। यह पाँच दिवसीय फूड फेस्टिवल गोवा के पारंपरिक और दिल को छू लेने वाले व्यंजनों का जश्न है, जो 11 जून से 15 जून तक होटल के सिग्नेचर ऑल-डे डाइनर मचान में आयोजित होगा। इस खास महोत्सव को ताज फोर्ट अगुआडा रिज़ॉर्ट एंड स्पा, गोवा से आए शेफ चंद्रकांत प्रकाश कोरगांवकर ने क्यूरेट किया है, जो स्वयं गोवा के मूल निवासी हैं और जिनकी जड़ें गोवा की पारंपरिक पाक कला में गहराई से जुड़ी हैं। इस फूड फेस्टिवल में मेहमान स्वाद ले सकेंगे गोवा की प्रसिद्ध डिशेज़ जैसे ङ्क प्रॉन बालचाओ, चिकन शाकुती, सॉरपोटेल, वेज/नॉन-वेज विंदालू, और पारंपरिक गोअन दाल वरन का। इन व्यंजनों के साथ परोसा जाएगा पोई ङ्क गोवा की खमीरयुक्त पारंपरिक गेहूं की ब्रेड, जिसे विविध प्रकार की ग्रेवी, अचार और चटनी के साथ परोसा जाएगा।

भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार

राकेश दुबे

देश में इलेक्ट्रिक वाहन बाजार तेजी से बढ़ रहा है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछले साल ईवी की बिक्री दस लाख का आंकड़ा पार कर गई और 2030 तक यह संख्या 170 लाख यूनिट तक पहुंचने की उम्मीद है। बाजार में तेजी के रुझान के साथ, देश के अधिकांश कार निर्माताओं ने अपने कुछ सबसे ज्यादा बिकने वाले वर्तमान मॉडल को इलेक्ट्रिक वर्जन में बनाना भी शुरू कर दिया है।

काफी समय से इस बात पर विवाद चल रहा था कि अमरीकी कंपनी टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कारों का निर्माण करेगी या नहीं। टेस्ला उनकी कारों पर भारत में आयात शुल्क में कमी के लिए पैरवी कर रही थी। उनका तर्क था कि वे अपनी इलेक्ट्रिक कारों को लाकर भारतीय बाजारों को परखना चाहते हैं और इसलिए वे भारत में अपनी स्थिति को परखने के लिए आयात शुल्क में छूट की मांग कर रहे हैं। हालांकि, कंपनी के इस ढुलमुल रवैये से भारत में विनिर्माण सुविधाएं शुरू करने के उनके वास्तविक इरादे पर संदेह पैदा हो रहा था। लेकिन अब यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि कंपनी भारत में अपनी टेस्ला कार का विनिर्माण शुरू करने में रुचि नहीं रखती है। हाल ही में भारत में ईवी नीति की घोषणा करते हुए सरकार ने भी यह संकेत दिया है कि टेस्ला कंपनी देश में अपनी कारों का विनिर्माण करने में रुचि नहीं रखती है। सरकार ने इस बीच भारत में इलेक्ट्रिक कारों के विनिर्माण को प्रोत्साहित करने वाली नीति पेश की है। हालांकि नई ईवी नीति 15 प्रतिशत की रियायती टैरिफ दर पर इलेक्ट्रिक कारों के आयात की भी अनुमति देती है, लेकिन आयातित कारों की कुल संख्या पर 8000 कारों की सीमा है, जिसके बाद आयात शुल्क 115 प्रतिशत तक जा सकता है। नीति में 35000 डॉलर से अधिक कीमत वाली किसी भी आयातित इलेक्ट्रिक कार पर शुल्क में कटौती की पेशकश की गई है, बशर्ते निर्माता तीन साल के भीतर स्थानीय संयंत्र स्थापित करने के लिए कम से कम 42500 करोड़ रुपए या लगभग 500 मिलियन डॉलर का निवेश करे। 15 प्रतिशत की यह रियायती ड्यूटी 35000 डॉलर से कम कीमत वाली कारों पर लागू नहीं होगी। कुल सीमा शुल्क राहत 6484 करोड़ रुपए तक सीमित होने का अनुमान है। नई ईवी नीति के तहत उद्यमियों को आवेदन जमा करने के लिए जल्द ही एक पोर्टल चालू किया जाएगा। यह पोर्टल कम से कम 120 दिनों तक खुला रहेगा। केवल वे कंपनियां ही आवेदन करने के लिए पात्र होंगी, जिन्होंने वाहन विनिर्माण से कम से कम 10000 करोड़ की बिक्री की है और अचल संपत्ति निवेश में न्यूनतम 3000 करोड़ रखती हैं। इस योजना के तहत भारतीय और विदेशी दोनों कंपनियां आवेदन करने के लिए पात्र होंगी। सरकार के अनुसार, नई नीति 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करेगी और ऑटोमोबाइल विनिर्माण में भारत की वैश्विक स्थिति को ऊपर उठाने में मदद करेगी।

विदेशी निवेशक आकर्षित नहीं हैं इस नीति से - इस नीति की खास बात यह है कि विदेशी वाहन निर्माता जैसे अमरीकी कंपनी टेस्ला, चीनी कंपनी बीवाईडी आदि सरकार की ईवी नीति के प्रति बहुत ठंडा रुख अपनाए हुए हैं। जहां तक टेस्ला का सवाल है, हालांकि उसने भारत में अपनी तैयार कार के लिए डीलरों का चयन शुरू किया है, लेकिन वो भारत में कार बनाने के लिए इच्छुक नहीं है। दूसरी तरफ चीन की कंपनी बीवाईडी इसलिए निवेश के प्रति ठंडा रुख रखे हुए है, क्योंकि भारत सरकार सुरक्षा कारणों से चीन जैसे देश की कंपनियों, खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक से जुड़ी कंपनियों को भारत में प्रवेश देने के लिए इच्छुक नहीं है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ बड़ी वैश्विक कंपनियां भारत में इलेक्ट्रिक कार उत्पादन हेतु निवेश कर सकती हैं, लेकिन इन कंपनियों की इलेक्ट्रिक कारें अपने देशों में भी कोई विशेष बाजार नहीं बना पाईं। ऐसे में वो भारत जैसे देश में जहां टाटा और महिंद्रा जैसी बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में भी काफी आगे बढ़ चुकी हैं, के सामने कैसे टिक पाएंगी, यह एक बड़ा सवाल उनके सामने है।

सेहत के साथ रोजगार सृजन और आर्थिक विकास - विभिन्न राष्ट्रीय अध्ययनों और विश्लेषणों से पता चलता है कि भारत में, पर्यावरण की रक्षा हेतु किए जा रहे प्रयास पर्यावरण ही नहीं, वित्तीय लाभ भी उत्पन्न कर सकते हैं, और रोजगार सृजन का बड़ा स्रोत हो सकते हैं। इस संदर्भ में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी द्वारा एक बड़ा योगदान संभव है। भारत का ईवी क्षेत्र 2030 तक 250 बिलियन डॉलर का उद्योग बन सकता है, जिससे वाहन निर्माण, बैटरी उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में पांच करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। ऐसे में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों का घरेलू उत्पादन बढ़ना हर दृष्टि से महत्वपूर्ण है। विदेशी कंपनियां भारत में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण में निवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं, इसका एक और कारण यह है कि टाटा और महिंद्रा जैसी घरेलू कंपनियां अपने विदेशी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बहुत कम लागत पर इलेक्ट्रिक वाहन बना रही हैं। उदाहरण के लिए, हम देखते हैं कि भारतीय निर्माता 9 लाख रुपए प्रति यूनिट से 20 लाख रुपए प्रति यूनिट के बीच इलेक्ट्रिक कार बेचने में सक्षम हैं, जबकि टेस्ला जैसी कंपनियां अपनी कारों को 35 लाख रुपए से 80 लाख रुपए के बीच की कीमत पर बेच रही हैं। देश में लग्जरी कारों का बाजार बहुत छोटा है। इसलिए, लग्जरी कार वर्ग में बड़े पैमाने पर उत्पादन की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। हालांकि, बड़े शहरों में प्रदूषण को कम करने में मदद के लिए इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है और उस संदर्भ में, 'मेक इन इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन घरेलू उत्पादन, जीडीपी और रोजगार के विस्तार में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।

हिवरखेड़ी निवासी विश्राम वर्मा एवं उसकी पत्नी पर हमलावरों ने किया हमला

छिंदवाड़ा। जिला की चौरई तहसील में थाना चौरई के अंतर्गत हिवरखेडी निवासी विश्राम पिता जगतराम वर्मा मजदूरी करके मोटरसाइकिल से अपने घर वापस आ रहा था 9 जून 2025 को करीब शाम 6 बजे की घटना है तभी रास्ते में शराब के नशे में धुत काली कलर की बुलेरो रुकी उसमे से अचानक चार पांच लोग उतरे और सीधे विश्राम वर्मा पर हमलावरों ने हमला कर लाठी डण्डे व धारधार हथियार से वार करना शुरू कर दिया हाथ पैर और पीठ पर मारा फिर सर पर वार कर दिया जिसके कारण वह लहूलुहान हो गया उसकी पत्नी ने बीच बचाव किया तो उसको भी एक दो लठ जमा दिया उसके बाद पत्नी ने बचाने के लिए जोर जोर से आवाज लगाई तब जाकर लोगो को आते देख वह लोग यह कहते हुए गए कि आज तो तुम लोग बच गए आगे से हमसे पन्गा लिया तो जान से भी खत्म कर देंगे घायल को राहगीर ने 108 बुलवाकर अस्पताल भिजवाया प्राथमिक उपचार चौरई में करने के बाद गंभीर रूप से घायल होने के कारण उपचार के लिए विश्राम वर्मा को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया जहां उसका उपचार जारी है हमलावरों की पहचान विश्राम की पत्नी ने किया है जिसने एक लड़का हिवरखेडी का है और 5-6 लड़के माचागोरा के ही निवासी हैं हमला करने वाले कोई लोकेश वर्मा नीरज वर्मा रवि वर्मा बताया जा रहा है अस्पताल पुलिस चौकी द्वारा घायल के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और आरोपी सभी पुलिस चौकी हिवरखेडी थाना चौरई के निवासी बताए जा रहे हैं आरोपी हमलावरों की शिकायत घायल के परिवार जनों ने पुलिस अधीक्षक से की

कक्षा-6वीं में प्रवेश के लिये ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

छिन्दवाड़ा। जवाहर नवोदय विद्यालय सिंगोड़ी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिये आगामी 13 दिसंबर 2025 को जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का आयोजन किया गया है। इस परीक्षा के लिये आवेदन पत्र वेबसाईट से ऑनलाईन भरे जा रहे हैं। आगामी 29 जुलाई तक ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं । जवाहर नवोदय विद्यालय सिंगोड़ी के प्राचार्य डॉ.सी.एस.पानकर ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के लिये कक्षा 5वीं में अध्ययनरत छात्र/छात्रायें नजदीकी साईबर कैफे से अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं । उन्होंने पालकों से अनुरोध किया है कि अपने बच्चों का अधिक से अधिक ऑनलाईन आवेदन करायें।

डालमिया कम्पनी ने भू-स्वामियो को काम से किया बंद

मंडला नॉर्थ कोयला खदान में इंटक ने ली गेट मीटिंग

परासिया। क्षेत्र के बिछुआ पठार में जे पी एसोसिएट्स ने मंडला नॉर्थ कोयला खदान खोलने के लिए लगभग 70 किसानों की जमीन ली है। कंपनी ने इन किसानों को मुआवजे के अलावा नौकरी भी दी है। लेकिन गत 22 मई को कंपनी ने मंडला नॉर्थ कोयला खदान को डालमिया भारत सीमेंट कंपनी लिमिटेड को दे दिया है। जिसके बाद कंपनी ने कुछ भू स्वामी को नौकरी पर रखा है, लेकिन उचित वेतन नहीं दिया जा रहा है। वहीं बहुत से भू स्वामियों को नौकरी से बंद कर दिया गया है। इस मामले को लेकर मंगलवार को राष्ट्रीय कोयला खान मजदूर संघ (इंटक) ने सुबह के समय भू स्वामियों के साथ गेट मीटिंग लेकर धरना प्रदर्शन किया। इंटक महामंत्री भगवान दीन यादव ने बताया कि कंपनी के द्वारा गत 28 मई तक सभी भू स्वामियों को नौकरी पर रखना था, लेकिन नौकरी पर जब नहीं रखा गया तब इंटक अध्यक्ष एवं विधायक सोहन बाल्मिक ने समस्या के निदान के लिए एसडीएम कार्यालय में कम्पनी के अधिकारियों के साथ 28 बिन्दुओं के मांग पत्र पर चर्चा की थी। लेकिन डालमिया कम्पनी के अधिकारियों ने अभी तक मांगों पर कुछ नहीं किया।गेट मीटिंग में इंटक पदाधिकारियों में भगवान दीन यादव, मनोज तिवारी, मदन जगेला, साबिर खान, मनोज साहू एवं भू स्वामी उपस्थित थे।

पवित्र विचार मन को मंदिर बना देते हैं

छिंदवाड़ा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के उप सेवा केंद्र पटेल मंगल भवन के पीछे नीरजा तिवारी वाली गली में चल रहे पांच दिवसीय तनाव प्रबंधन शिविर के आयोजन में जबलपुर से पधारी मीना बहन द्वारा आध्यात्मिक ज्ञान के द्वारा तनाव प्रबंधन के तरीके सिखाये जा रहे हैं। इस अवसर पर शिविर के उद्घाटन

करने श्री विजय पांडे पार्षद श्री संजय गोहा, श्री स्वामी बागडे आदि अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर शिविर के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए समर कैंप भी आयोजित किया गया है। जहां विभिन्न प्रकार के खेल कहानी एवं नैतिक शिक्षाएं आदि के द्वारा विद्यार्थियों के बाल व्यक्तित्व को एक नई दिशा प्रदान की जा रही है। जहां बच्चों के भीतर आंतरिक शक्तियों का विकास मोरल वैल्यूज आदि का समावेश किया जा रहा है, इसी क्रम में शिविर की प्रथम दिवस पर दीदी मीणा बहन द्वारा जीवन में आने वाली समस्याओं को मेडिटेशन द्वारा कैसे समाधान किया जाता है, अपनी आंतरिक शक्तियों को बाहरी जगत की समस्याओं पर कैसी जीत पाई जाए एवं संबंधों में कैसे मधुरता लाया जाए। इस पर विस्तार से बताया गया। प्रार्थना व राजयोग मेडिटेशन में अंतर बताया गया ! हमारे पवित्र विचारों का उद्गम स्थान मौन है, पवित्र विचार मौन से ही स्वत उत्पन्न होते हैं, मौन से वचन सारगर्भित होता है

उपचार के लिये पांढुर्णा जिले के 3 मरीजों को दी गई सहायता राशि

छिन्दवाड़ा। म.प्र.शासन द्वारा मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से वित्तीय वर्ष 2025-26 में बीमारी से पीड़ित पांढुर्णा जिले के 3 मरीजों के उपचार के लिये आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृति के अनुरूप राशि का भुगतान संबंधित संस्था/ हितग्राहियों के बैंक खातों में किया गया है। पांढुर्णा कलेक्टर श्री अजय देव शर्मा ने बताया कि बीमारी से पीड़ित पांढुर्णा जिले के 3 आवेदनों में कुल 01 लाख 55 हजार रूपये आर्थिक सहायता राशि जारी की गई है।

घर बैठे देसी तरीके से पके आमों का लुत्फ उठा सकेंगे शहर वासी

उद्यानिकी विभाग में मोबाइल वेन को हरी झंडी दिखाकर 5 दिवसीय आम महोत्सव का किया शुभारंभ

छिन्दवाड़ा। नाबार्ड आम महोत्सव 8.0 नाबार्ड म.प्र. क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल गत 08 वर्षों से आम महोत्सव कार्यक्रम कर रहा है एवं जिला स्तर पर यह कार्यक्रम गत पाँच वर्षों से हो रहा है। आम महोत्सव नाबार्ड की एक विकास पहल है, जिसका उद्देश्य आदिवासी किसान एवं किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सदस्यों को उनके उत्पादों के विपणन में मदद और साथ ही बाज़ार की पहुँच उपलब्ध कराने में सहायता देना है। जिला स्तर पर नाबार्ड आम महोत्सव का शुभारंभ आज 10 जून 2025 को उद्यानिकी विभाग छिंदवाड़ा में मोबाइल वेन को हरी झंडी दिखाकर की गई। इस कार्यक्रम में जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड सुश्री श्वेता सिंह, उपसंचालक उद्यानिकी श्री उइके, एलडीएम छिंदवाड़ा, सृजन संस्था के टीम लीडर संदीप भुजेल, कोफे एफपीओ के प्रतिनिधि और पूरा उद्यानिकी विभाग उपस्थित था। मोबाइल वेन के माध्यम से मोहखेड़ ब्लॉक के आदिवासी किसानों के खेत से आम की खरीदी कोफे एफपीओ द्वारा किया जा रहा है। यह सभी आम प्राकृतिक तरीके से बिना रसायन का उपयोग किए पकाए हुए हैं और सीधा किसानों की बाड़ी से छिंदवाड़ा रहवासियों तक लाए जा रहे हैं। यह महोत्सव 14 जून 2025 तक रहेगा, जिसमें मोबाइल वेन 11 जून 2025 को रानी दुर्गावती चौक, वीआईपी रोड, गोधूली आश्रम, सत्यम शिवम् कॉलोनी, सिंचाई कॉलोनी देवी मंदिर, प्रोफेसर कॉलोनी, 12 जून 2025 को मेडिकल कॉलेज कॉलोनी, अपनी रसोई के समीप, परासिया रोड के सभी रेजीडेंसी, षष्ठी माता मंदिर के समीप, परासिया रोड के सभी बड़े बैंकों के समीप, आरोग्य अस्पताल के समीप, 13 जून 2025 को चंदनगांव, वर्धमान सिटी, नैयर फर्नीचर नागपुर रोड के समीप, केवीके छिंदवाड़ा, मारुति शोरूम के समीप, सतीजा पेट्रोल पम्प के समीप एवं 14 जून 2025 को जो भी व्यक्ति स्पेशल कॉल करके अपने एरिया में मोबाइल वेन को बुलाना चाहते हैं मोबाइल नंबर-9589368794 पर संपर्क किया जा सकता है। सभी छिंदवाड़ा रहवासियों से निवेदन किया गया है कि वह आम महोत्सव में अपनी भागीदारी दें और किसानों की उन्नति में एक कदम बढ़ाएं।

रॉड और डंडे से युवक पर प्राणघातक हमला

माचागोरा गांव के 12 लोगों ने किया हमला,पुलिस ने एफआईआर दर्ज की

छिंदवाड़ा। चौरई थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया गया और 12 लोगों ने पीटकर बेहोश कर दिया युवक विश्राम वर्मा निवासी हिवरखेड़ी, कलकोटी से अपने घर लौट रहा था इसी दौरान माचागोरा गांव के करीब 12 लोगों ने उस पर अचानक हमला कर दिया पुलिस मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज की है। हमलावरों ने रॉड, डंडे, और पाइप और पत्थरों से युवक को बुरी तरह पीटा हमले में विश्राम गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही बेहोश हो गया घायल अवस्था में उसे 108 एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल में पहुंचाया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की जानकारी पुलिस को घायल युवक के बड़े भाई आशाराम वर्मा ने दी सूचना मिलते ही चौरई पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया फिलहाल युवक हालत गंभीर है और वह बोलने लायक नहीं है। इस कारण हमले की बजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। हालांकि पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सभी हमलावर माचागोरा गांव के ही बताए जा रहे हैं। हमले की इस घटना से गांव में दहशत का माहौल है।

बस में बाइक को मारी टक्कर एक की मौत दो घायल

सांवरी चौकी क्षेत्र के बदनूर में मंगलवार को एक बस ने एक बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक की मौके पर ही मौत हो गई। वही दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि मृतक पति और एक अन्य महिला को लेकर घर लौट रहा था। दोनों महिलाएं निजी स्कूल में शिक्षिका थी।जानकारी अनुसार नानकराम पिता श्रीराम देशमुख उम्र 45 साल सुहागपुर का रहने वाला है। वह दोपहर को बाइक से पत्नी और एक अन्य महिला को लेकर घर लौट रहा था। इस दौरान बदनूर के समीप सड़क पार करते समय बैतूल की ओर से आ रही बस ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में नानकराम की मौके पर मौत हो गई। वही उसकी पत्नी और अन्य महिला को गंभीर चोटें आई है। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया गया है। वही शव को सुरक्षित मरच्युरी में रखवा दिया गया है। सुबह पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने बस को जब्त कर थाने में खड़ी करवा ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भगवान की कथा सुनने से सगुन फल की प्राप्ति होती है एवं तत्काल फल मिलता: संगीता किशोरी

छिंदवाड़ा। गांधी गंज पंचेश्वर हनुमान मंदिर में वनवासी कथाकार संगीता किशोरी ने कथा के चौथे दिन भगवान राम के जन्म यज्ञ रक्षा धनुष यज्ञ एवं राम विवाह की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि भगवान की कथा सुनने से सात शगुन के फल की प्राप्ति होती है एवं तत्काल फल मिलता है। भगवान का नाम लेने से आनन्द की अनुभूति होती है। भगवान के जन्म के समय शंकर जी और हनुमान जी ने भेष बदलकर उनका दर्शन किया। वशिष्ट जी ने उनका नामकरण किया फिर उन्हे यज्ञ करने के लिए दशरथ जी से मांग और वे यज्ञ करने गये और जिन-जिन रक्षसों का आंतक था उन्होने उनका वध किया। यज्ञ के बारे में उन्होने बताया कि यह जनकल्याण के लिये होता है दक्ष प्रजापति ने बदले की भावना से यज्ञ किया था जो पूर्ण नहीं हुआ, संगीता किशोरी ने कहा कि प्रभु करने से संतो के दर्शन होते है। भगवान भाव के भूखे होते है जब भक्त बुलाते है तब आ जाते हैं। उन्होंने माताओं से कहा कि खाना बनाते समय वे भगवान का नाम ले, परिवार के लोगों को कहा कि वे सुबह उठकर बड़ों को प्रणाम करें। कल कथा का अन्तिम दिन है कथा के बाद हवन एवं भंडारा होगा कथा 12 बजे से प्रारंभ होगी एवं शाम को भंडारा होगा। कथा में एकल के सभी पदाधिकारी एवं समाज के विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित थे।

मानसून के दौरान सुगम एवं निर्बाध रेल सेवा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की तैयारियाँ पूर्ण गति पर

छिंदवाड़ा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा मानसून के दौरान रेलगाड़ियों का सुचारु एवं सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने हेतु प्री-मानसून तैयारियाँ युद्धस्तर पर जारी हैं। मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी रेल खंडों में जलभराव संभावित स्थानों, बोल्डर स्खलन की आशंका वाले पहाड़ी क्षेत्रों, पुलों एवं साइड ड्रेनों का गहन निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य किए जा रहे हैं। पानी की निकासी के लिए पाइपों की सफाई, ड्रेनों का डायवर्जन, तथा पहाड़ियों से आने वाले पानी को पटरियों से दूर रखने हेतु विशेष प्रबंध किए गए हैं। इसके साथ ही नालियों व ड्रेनेज प्रणाली के आसपास जमा कचरे को हटाकर सफाई कार्य तीव्र गति से जारी है। इसके अलावा, मंडल के सभी सम्बन्धित विभागों द्वारा समपार फाटकों, रेल पुलों, रेल पथों, संरक्षा उपकरणों, ओएचई लाइन व सिग्नल प्रणाली की विशेष जाँच व संधारण कार्य पूर्ण किया जा रहा है। अत्यधिक वर्षा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए डोंगरगढ़, छिंदवाड़ा, गोंदिया, नैनपुर,रामटेक ग्वारीघाट,हत्ता रोड आदि चिन्हित स्थलों पर रेती, गिट्टी, पत्थर, खाली रेती की बोरियां आदि की पर्याप्त व्यवस्था की गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके साथ ही सुचारू रूप से पेट्रोलियम सुनिश्चित की गई है। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य मानसून के दौरान यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और समयबद्ध रेल सेवा उपलब्ध कराना है।

तेज़ हवा के साथ हल्की बारिश

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटे के दौरान (11 जून से 15 जून 2025) साफ, मध्यम से घने बादल रहने एवं दिनांक 12-13 जून को बिजली, तूफान/तेज़ हवा (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश एवं दिनांक 14-15 जून को बिजली, तूफान/तेज़ हवा (40-50 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 41-43 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 27-29 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है। अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 39-57 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 19-34 प्रतिशत रहने की संभावना है।

भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में प्रदेशभर के तहसील मुख्यालयों पर हुए प्रदर्शन में दिखा किसानों में भारी आक्रोश

जबलपुर। भारी गर्मी व तपती दोपहरी में भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में प्रदेश व्यापी आंदोलन के तहत तहसील मुख्यालयों पर आयोजित धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में भारी संख्या में शामिल हुए किसानों ने प्रदेश सरकार व प्रशासन की नींद उड़ाकर रख दी। प्रदर्शन में किसानों ने मुखर होकर खेती किसानी में आ रही समस्याओं को लेकर जमकर कोसा। मूंग उड़द की समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग को लेकर शुरू हुए आंदोलन में किसान अब सभी फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग सरकार से करने लगे हैं। किसान संघ के प्रांत उपाध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा कि सरकार द्वारा जिन फसलों के समर्थन मूल्य घोषित किये गए हैं। सरकार को उस मूल्य पर मंडी के बाहर या मंडी के अंदर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित करनी होगी। किसानों ने

अपनी समस्याओं व मांगो का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम अनुभागीय अधिकारियों को सौंपा।

ट्रैक्टर रैली निकाल किसानों ने जताया रोष: प्रदेशभर के अधिकांश जिलो की तहसीलों में किसान धरना प्रदर्शन में ट्रैक्टर लेकर पहुंचे। रैली में ट्रैक्टर लेकर चल रहे किसानो ने कहा कि प्रदेश भर में किसान सरकार की नीतियों से दुखी है। धान गेंहू खरीदी में जारी घोटाले, भुगतान की समस्या, नकली खाद, बीज, कीटनाशक आदि के कारण किसान पीड़ित है। आंदोलन के सिवाय अपनी मांगे सरकार के सामने रखने किसान के पास अन्य कोई विकल्प नहीं है।

सैकड़ों तहसील में हुए प्रदर्शन से सरकार की उड़ी नींद: भारतीय किसान संघ के प्रदेश स्तरीय आंदोलन में शामिल हुए किसानों की भारी संख्या ने सरकार व प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। प्रशासनिक स्तर पर किसानों की समस्याओं व कृषि योजनाओं को लेकर समीक्षा करने की बात कही जा रही है। किसान संघ के तहसील मुख्यालयों में हुए धरना, प्रदर्शन व ज्ञापन की पल पल की जानकारी लोकल इंटेलीजेंस से मांगी गई है।

आंसुओं और वेदना ने जन्म दिया था, जन परिषद को

रामजी श्रीवास्तव

छिंदवाड़ा। कॉलेज से पढ़कर निकला था, इस उम्र में अधिकतर किसी भी युवा के समान मैं भी कविताएँ लिखने लगा । लेकिन प्रेम गीत नहीं बल्कि रोटी और अभावों की कविता । इसी कारण से हम चार यार कभी कभी कविता या साहित्य पर विमर्श के लिए , बैठ जाते थे । हम कविता के नए नए खिलाड़ी थे पर कहते हैं कि थे बहुत प्रभावकारी । इसलिए जो उस समय के स्थानीय एवं तथाकथित वरिष्ठ कवि थे , उनके साथ हम लोग असहज महसूस करते थे। एक शाम हम चार यारों ने तय किया कि हम खुद अपनी एक संस्था बना लेते हैं । अपन खुद अपनी पीठ खुद ठोंकेंगे और एक बड़ी लाइन खींचेंगे। उत्साह इतना कि दस पंद्रह मिनट में एक मित्र ने संस्था का नाम भी सुझा दिया -जन परिषद।

हमने खूब गोष्ठियां की, खूब पेपरों में न्यूज प्रकाशित हुई । उत्साह बढ़ता ही जा रहा था । इसी लय में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी करवा लिए । बैतूल में जन परिषद स्थापित होने लगी तीन चार साल के बाद जिले के दूरस्थ और निर्जन गांव पलस्या के आसपास के चार पांच गांवों में कुपोषण के कारण , मात्र छह सात दिनों में करीब 23 बच्चों की मौत हो गई । पता चला कि यह पहली बार नहीं हुआ बल्कि ये तो औसतन मौतें है जो , प्रतिवर्ष होती हैं।

इस समाचार के प्रति प्रशासन ने कभी कोई गंभीरता नहीं दिखाई । बस क्या था हम दो तीन पत्रकारों की संवेदनाएं, हमें झकझोरने लगीं । मैं उस समय दैनिक भास्कर का बैतूल ब्यूरो चीफ था।

सुबह हम दो पत्रकार साथी निकल पड़े , ग्राम पलस्या की ओर । गांव पहुंचे तो , 23 बच्चों की मौत के बाद होने वाली सायं सायं करती श्मशान सी खामोशी से हम लोगों का साक्षात्कार हुआ । किसी कवि की एक पंक्ति याद आयी कि हर तरफ मरघटी सन्नाटों का साया है । पता चला कि 23 बच्चों की किलकारियां खामोश हो जाने के बाद ,अभी भी गांवों में कुछ और बच्चे जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं । एक एक करके उनके घर गए तो आंखों में आंसू आ गए । दवाई तो एक दो ही घर में दिखी । बाकी घरों में तो पेट भरकर खाने के लिए अनाज तक नहीं था । पीने के लिए बड़ी आबादी के लिए केवल एक हैंडपंप । गर्मियों में स्वयं हैंडपंप, पानी मांगने लगता था ।

वहीं खड़ी एक नर्स बताती है कि वास्तव में ग्रामीण जन , अज्ञानता वश वैक्सीन नहीं लगवाते हैं और बच्चों को पौष्टिक डाइट भी नहीं देते हैं । नर्स की बात सुनकर , कई ग्रामीण जन उबल पड़े कि खाने को , रोटी तो है नहीं, पौष्टिक आहार कहां से लाएं ? एक पत्रकार के नाते मैं सारी जानकारी नोट कर रहा था लेकिन दिमाग की नसें फटी जा रही थी कि इस देश की आत्मा इतनी बदहाली, गरीबी,अशिक्षा और अभावों में तड़प रही है । उसी काल में,महानगरों में लोग कलर्ड टीवी के लिए संघर्ष कर रहे थे और पलस्या जैसे गांव रोटी के लिए ,मुझे आज भी याद है उस दिन मुझे दुष्यंत कुमार की पंक्ति , कि, यूं तो अक्सर चीखता है आदमी तकलीफ में, इतनी खामोशी से लेकिन आज तक चीखा न था , का पहली बार जमीनी अर्थ समझ आया । हम लोगों के दिमाग से कविता , गोष्ठी और साहित्य सब रफूचक्कर हो गए । और मेरे हिसाब से दरअसल , उन्हीं दिनों जन परिषद का असली जन्म हुआ । मित्रों ने तय किया कि पहिले तो जन परिषद उन गांवों में दवाई, राशन और अन्य मूल भूत सुविधाओं की व्यवस्था करेगी । उस गांव में जहां नर्स भी जाने से कतराती थी, वहां आपकी अपनी जन परिषद के प्रयासों से सिविल सर्जन, डी एच ओ,कलेक्टर, जन प्रतिनिधिगण, और अन्य अधिकारी पहुंचने लगे । जन परिषद ने स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए , ग्रामीणों को वैक्सीन के महत्व समझाए, ग्रामीणों के लिए पौष्टिक सोया पंजीरी का वितरण करवाया । उस गांव के साथ साथ अन्य चार गांवों में नेत्र शिविर आयोजित करवाए । एक अच्छे कार्य के लिए मेरे मित्रों और बैतूल के कुछ नागरिकों ने जी भरकर जन परिषद की पीठ ठोको । और बस यही से जन परिषद की रचनात्मक यात्रा का असली प्रादुर्भाव हुआ ।

लगभग उसी दौरान बैतूल में एन के त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक बनकर आ गए। उनकी सहजता, तर्कसंगत एवं रचनात्मक कार्यों को पूरा संरक्षण प्रदान करने , छोटे एवं अभावग्रस्त लोगों को भी पूरी तब्बजो देने जैसी अनेक ऐसी बातें थी जो हम युवकों को पूरी तरह भा गई और उन्हें शायद हम लोगों की लगन और प्रतिबद्धता और बस यहीं से प्रारंभ हुआ जन परिषद की पगडंडियों से राजमार्गो की रचनात्मक यात्रा की शुरुआत । वे, डॉ मंगल प्रसाद अग्रवाल और विजय खंडेलवाल जी (कालांतर में जो तीन बार बैतूल हरदा के सांसद भी चुने गए थे) हमारे प्रमुख मार्गदर्शक और व्यवहारिक रूप में हमारे संरक्षक बन गए । बस फिर क्या था जन परिषद गैलपिंग करने लगी । आज त्रिपाठी जी की डायनेमिक लीडरशिप, सभी सीनियर मेंबर्स के आशीर्वाद और मित्रों के संबल से, जन परिषद पूरे देश में 275 से अधिक चैप्टर्स का समृद्ध परिवार बन चुका है । ढेर सारी उपलब्धियां और प्रतिष्ठित अतिथियों का जन परिषद में आना, हमारे उत्साह को दिन दूनी रात चौगुना बढ़ा रहा है ।

आज उनको स्मरण करने का भी दिन है

दोस्तो, आज जनपरिषद जिस मुकाम पर है, उसका श्रेय निश्चित रूप से हमारे चेयरमैन एवं पूर्व डीजीपी श्री एन के त्रिपाठी सर की डायनेमिक लीडरशिप, सबके प्रति सम्मान एवम हमारे अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन एवम दोस्तों की जिंदादिली को जाता है।

जनपरिषद संस्था नहीं परिवार है

Jp

जन परिषद के 36 वें स्थापना दिवस पर

36 वर्ष की यात्रा कम नहीं होती इसलिए आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो हमें ऐसे कई मित्रों की याद आती है जो उस समय भीषण गर्मी या ठंड में भी मोटरसाइकिलों पर पूरे आनंद के साथ काम करते रहे और जनपरिषद का झंडा उठाए रहते थे ह्र पर हां उनकी आंखों में एक सपना था, एक जुनून था कि जन परिषद को रचनात्मकता का एक अभूतपूर्व कारवां बनाना है, और कालांतर में यही सपना हम सबकी ताकत बनती गई। आज एसी कारों में भी जब हमें थकान का एहसास होने लगता है तो वो मोटरसाइकिल पर घूमने वाले दिन हमें रोमांचित भी करते हैं और प्रेरित भी ह्र इसी प्रक्रिया से जन परिषद को और लोग मिलते गए और मिलते जा रहे हैं ह्र और बस हम भी शनै शनै अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते जा रहे हैं ह्र प्रभु से प्रार्थना करते हुए कि वो अपना आशीर्वाद हम सबको इसी प्रकार प्रदान करते रहें। संस्था की जो भी उपलब्धियां हैं वे इस मायने में उल्लेखनीय हैं कि संस्था ने जो कुछ भी थोड़ा बहुत अर्जित किया है ,वह अपने सदस्यों की मेहनत और लगन से किया है। जबसे जन परिषद के देश भर में 275 और विदेशों में 7 चैप्टर्स बने हैं तबसे हमारी सक्रियता और उपलब्धियों में चार चांद लग गए हैं ह्र सभी चैप्टर्स के प्रति साधुवाद। इस लंबी किंतु निष्कलंक यात्रा में, कष्ट भी कम नहीं हुए। हमारे कई समर्पित दोस्त एक के बाद एक, दुनिया छोड़ते गए। किसी भी दोस्त के जाने पर थोड़ा ठहराव भी आ जाता था , तब हमें मुकेश जी की ये पंक्तियां काफी प्रेरित करती थीं कि , है कौन सा वो इंसान यहां पर जिसने दुख न झेला........... इस गाने से प्रेरित होकर और उन्हीं मित्रों के सपनों की कसम खाकर हम बाकी लोग फिर आगे बढ़ते रहे इसी क्रम में कई नए और बहुत अच्छे सहयात्री भी मिलते गए ह्र सबका उल्लेख तो नहीं किया जा सकता ,लेकिन हां सबके प्रति साधुवाद जरूर व्यक्त करना चाहता हूं।

व्यक्तिगत तौर पर मैं पूरी कोशिश करता हूं कि किसी की भी भावनाओं को आहत न करूं, लेकिन जन परिषद के संयोजक के नाते जाने अनजाने मेरे किसी भी कृत्य या कथन से कोई आहत हुआ हो तो मैं हमेशा की तरह क्षमायाचना में भी पीछे नहीं रहता हूं ह्र आज भी मैं उसी भाव से, आप सबको प्रणाम करता हूं ।

कांग्रेस भ्रम फैलाना बंद करे: मनीष यादव

छिन्दवाड़ा। आदिवासी भाइयों के नाम पर उनका शोषण करने वाली कांग्रेस भ्रम फैलाना बंद करे। सांसद श्री बंटी विवेक साहू ने किसी आदिवासी भाई से पैर नहीं धुलवाए। सांसद जी के पैर मैंने स्वयं अपने हाथों से धोए। यह बात भाजपा पगारा मंडल अध्यक्ष मनीष सोनू यादव ने कही है। मंगलवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि सांसद बंटी विवेक साहू हमारे आदिवासी भाइयों का सम्मान करते ताल खमरा गए थे। वहां उन्होंने आदिवासी भाइयों का और धर्म गुरुओं का प्रेम पूर्वक सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। झूठ और षड्यंत्र का पर्याय बन चुकी कांग्रेस एक बार फिर झूठ का सहारा लेकर जनता को बरगलाने का प्रयास कर रही है।

भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष विधायक मंत्री कैलाश विजयवर्गीय व अन्य मंत्रियों से सौजन्य भेंट की

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी पूर्व जिलाध्यक्ष विधायक पंडित रमेश दुबे अपने भोपाल प्रवास के दौरान भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा व संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा से सौजन्य भेंटकर संगठनात्मक विषयांतर्गत चर्चा की साथ ही पूर्व विधायक श्री दुबे ने मप्र सरकार में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से सौजन्य भेंटकर क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की।

महाकाल नगरी के मुस्लिम इलाके बड़ी बुलडोजर कार्रवाई

उज्जैन। उज्जैन के बेगमबाग इलाके में बुधवार सुबह उज्जैन विकास प्राधिकरण ने एक बड़ी कार्रवाई की। जिसमें सात मकानों को तोड़ा गया। यह कार्रवाई करीब 19 दिन बाद की गई, जब यूडीए ने नगर निगम और पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर अवैध निर्माणों के खिलाफ मोर्चा संभाला। इस बार कार्रवाई मुस्लिम बहुल क्षेत्र में की गई। यहां स्थानीय लोगों को अपनी नींद से जागने के बाद घर के बाहर बुलडोजर और पुलिस की टीमें खड़ी मिलीं।

यूडीए के सीईओ संदीप सोनी के मुताबिक, जिन मकानों पर कार्रवाई की गई, उन पर पहले कोर्ट से स्टे मिला हुआ था। जब स्टे हटाया गया, तो सात दिन का नोटिस दिया गया। फिर विधिवत रूप से इन्हें तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई।

संदीप सोनी ने बताया कि यूडीए ने डेढ़ साल पहले 28 संपत्तियों की लीज निरस्त की थी। इनमें अवैध निर्माण और बिना लीज नवीनीकरण के बिक्री के मामले थे। इन संपत्तियों में से पहले चरण में सात मकानों को चिह्नित किया गया। इन्हें तोड़ने की कार्रवाई की गई।

इस दौरान नगर निगम, यूडीए और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। पहले भी इस क्षेत्र में अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन कोर्ट से स्टे मिलने के कारण कुछ मकानों पर कार्रवाई टल गई थी। अब स्टे हटने के बाद कार्रवाई को पुनः गति दी गई है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार शाम अपने आवास पर उन सांसद प्रतिनिधियों से मुलाकात किया, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत विदेशों में भारत का संदेश लेकर गए थे। प्रधानमंत्री इस बैठक में विदेश से लौटे 7 प्रमुख सांसदों के प्रतिनिधियों के अनुभव और फीडबैक लिया।

आरोपियों ने कबूला-सोनम के सामने की राजा की हत्या

इंदौर क्राइम ब्रांच ने बताया-विशाल ने किया पहला वार; शव को खाई में फेंका

इंदौर। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी (29) हत्याकांड में गिरफ्तार चारों आरोपियों राज कुशवाह, आकाश राजपूत, विशाल चौहान और आनंद कुर्मी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि राजा की हत्या के समय सोनम वहां मौजूद थी और पति को मरते हुए देख रही थी।

इंदौर क्राइम ब्रांच-ष्टक्क पूनमचंद ने कहा, %चारों आरोपियों ने बताया कि इंदौर से शिलॉन्ग की डायरेक्ट ट्रेन नहीं है। इसलिए वे ट्रेन से गुवाहाटी होते हुए शिलॉन्ग पहुंचे थे। विशाल ने हथियार खरीदा था। उसने ही राजा पर पीछे से पहला वार किया था। जब राजा अचेत हुआ तो सभी ने मिलकर राजा को नीचे खाई में फेंक दिया।

राजा-सोनम की 11 मई को शादी हुई। 21 मई को राजा-सोनम शिलॉन्ग पहुंचे थे। 23 मई को परिवार से आखिरी बात की। 2 जून को राजा का शव मिला। 17 दिन से गायब सोनम एक दिन पहले 9 जून को गाजीपुर में मिली थी। इसके बाद ही हत्याकांड का खुलासा हुआ।

सोनम समेत पांचों आरोपियों को शिलॉन्ग ले गई पुलिस

मंगलवार को शिलॉन्ग पुलिस सोनम को लेकर पहले पटना एयरपोर्ट पहुंची। यहां से उसे पहले कोलकाता, फिर गुवाहाटी ले जाया गया। यहां से शिलॉन्ग ले जाया जा रहा है। इधर, शिलॉन्ग पुलिस की एक टीम इंदौर से चार आरोपियों को लेकर पहले दिल्ली ले गई। यहां से कनेक्टिंग फ्लाइट से गुवाहाटी और फिर शिलॉन्ग लेकर पहुंचेगी

9 जून को यूपी की गाजीपुर कोर्ट ने सोनम को 3 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर मेघालय पुलिस को सौंपा। वहीं इंदौर की कोर्ट ने चार आरोपियों को 7 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर सौंपा है। सोनम समेत पांचों आरोपियों को बुधवार को शिलॉन्ग की कोर्ट में पेश किया जाएगा। इसके बाद उनसे आगे पूछताछ की जाएगी।

हत्या के बाद ट्रेन से इंदौर आई थी सोनम

पति राजा रघुवंशी की हत्या के बाद सोनम रघुवंशी 25 मई को शिलॉन्ग से सिलीगुड़ी के रास्ते ट्रेन से इंदौर पहुंची थी। शिलॉन्ग एसपी विवेक स्येम ने भास्कर रिपोर्टर योगेश पाण्डे को बताया कि सोनम इंदौर आने के बाद किराए के कमरे में रुकी थी। सोनम को एक ड्राइवर ने वाराणसी में ड्रॉप किया था, जहां से वह गाजीपुर पहुंची थी।

हथियार ऑनलाइन मंगवाया, आरोपियों से सोनम ने कहा था-मार दो, 3 अहम पॉइंट्स

1. मेघालय पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों ने जिस हथियार 'डाव' (छोटी कुल्हाड़ी) से राजा को मारा, वो गुवाहाटी में ऑनलाइन मंगाया था। आरोपी शिलॉन्ग में सोनम-राजा के होम स्टे से एक किमी दूर होटल में ठहरे थे। इनके नंबर सोनम के पास थे। सोनम जहां जाती, लोकेशन इन्हें भेज देती।
2. 23 मई को सोनम फोटो शूट के बहाने पहाड़ी कोरसा इलाके में राजा को ले गई। रास्ते में ही तीनों आरोपी राजा से मिले। हिंदी में बात की और साथ चल दिए। थोड़ी देर बाद सुनसान जगह देखकर सोनम ने चिल्लाकर कहा- मार दो इसे।
3. हत्या के बाद सोनम ने फोन तोड़े। आरोपी भी अपने-अपने घर ट्रेन से रवाना हुए। सोनम अकेली वाराणसी गई। यहां बस स्टैंड पर दो लोग उसे छोड़ने गए।

इंदौर एयरपोर्ट पर एक आरोपी को थप्पड़ मारा

मंगलवार को शिलॉन्ग पुलिस जब चारों आरोपियों को लेकर इंदौर एयरपोर्ट पहुंची तो वहां मौजूद एक शख्स ने एक आरोपी को थप्पड़ जड़ दिया। सुशील लकवानी ने कहा कि मैं गुस्से में हूं कि इंदौर के एक निवासी की हत्या कर दी गई। आरोपी को मौत तक फांसी पर लटका देना चाहिए। महिला ने पूरी प्लानिंग के साथ उस व्यक्ति की हत्या की।

मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु परिवारों के समेकित विकास हेतु सर्वेक्षण की राज्य स्तरीय कार्यशाला कार्यक्रम को संबोधित किया इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा भी उपस्थित थे

मैहर के भाजपा नेता की सड़क हादसे में मौत

परिवार के पांच सदस्यों की हालत गंभीर, चाची का अंतिम संस्कार करने गए थे प्रयागराज

मैहर। मैहर के भाजपा नेता की सड़क हादसे में मौत हो गई। परिवार के पांच सदस्य घायल भी हुए हैं। सभी लोग अपने परिवार की महिला का प्रयागराज में अंतिम संस्कार कर वापस आ रहे थे। मंगलवार-बुधवार की दरिमियानी रात 3 बजे उनकी एंबुलेंस अमरपाटन बाईपास पर अनियंत्रित होकर नाले में पलट गई।

मैहर के भाजपा नेता और पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम चौरसिया(55) की चाची और लवकुश चौरसिया की मां का मंगलवार को निधन हो गया था। चाची की इच्छा के अनुसार परिवार के 6 सदस्य उनका अंतिम संस्कार करने

प्रयागराज गए थे। वापस लौटते समय हादसा हो गया। हादसे के बाद एंबुलेंस चालक मौके से फरार हो गया।

पांच घायलों की हालत गंभीर- एंबुलेंस में सवार पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों में पोलो चौरसिया (28), दिवाकर चौरसिया (60), लखन चौरसिया (46), रामलाल चौरसिया (55) और प्रमोद चौरसिया (45) शामिल हैं। सभी घायलों को सतना के बिड़ला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अमरपाटन थाना प्रभारी केपी. त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। घायलों को तत्काल बचाव दल की मदद से एंबुलेंस से निकाला गया।

भोपाल में 30 पंचायत सचिवों का ट्रांसफर: सालों से एक ही पंचायत में जमे थे; प्रभारी मंत्री की लगी मुहर

भोपाल। भोपाल जिला पंचायत के 30 सचिवों का तबादला किया गया हैं। इनमें से कई ऐसे हैं, जो सालों से एक ही ग्राम पंचायत में जमे थे। वहीं, कुछ के घर और ससुराल उन्हीं की ग्राम पंचायत क्षेत्र में थे। सीईओ ईला तिवारी ने मंगलवार देर रात ट्रांसफर ऑर्डर जारी किए।

इससे पहले जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप ने लिस्ट को मंजूरी दी। क्राइटेरिया के साथ ही जनप्रतिनिधियों की पसंद का ध्यान भी रखा गया। इसके बाद लिस्ट जारी की गई। हालांकि, अभी भी कई सचिव ट्रांसफर के दायरे में आ रहे हैं। उनकी लिस्ट भी तैयार हो रही है।

17 जून से पहले इन्हें भी जिले में एक पंचायत से दूसरी पंचायत में किया जाएगा। भोपाल में कुल 222 ग्राम पंचायतें हैं। वहीं, दो जनपदें बैरसिया और फंदा है।

14 दिन में नई पंचायत में काम संभालना होगा

- जिन ग्राम पंचायतों को एक पंचायत से दूसरी पंचायत में भेजा गया है, उन्हें 14 दिन के अंदर काम संभालना होगा।
- ट्रांसफर वाली ग्राम पंचायत में यदि किसी ग्राम के सचिव के नातेदार पंचायत का पदाधिकारी चुन लिया गया हो या पूर्व से हो तो ऐसी पंचायत में किया गया ट्रांसफर स्वत-ही निरस्त माना जाएगा।
- किसी भी पंचायत सचिव का उसकी पैतृक या ससुराल की ग्राम पंचायत में किया गया तबादला भी निरस्त माना जाएगा। समय पर कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर कार्रवाई होगी।